फाल्गुन कृष्ण - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 206 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 20-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हमने सिर्फ दो स्पिनर चुने हैं, बाकी तीन ऑलराउंडर हैं : रोहित शर्मा

6 स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक मजबूत विपक्ष आवश्यक

7 'राणा नायडू' सीजन 2 का हिस्सा बनकर रोमांचित महसूस कर रही है कृति खरबंदा

फर्स्ट टेक

असम में 1.66 लाख अवैध विदेशियों का पता चला

गुवाहाटी/भाषा। असम समझौते के मानदंडों के अनुसार करीब 1.66 लाख लोगों की पहचान ''अवैध'' प्रवासियों के रूप में की गई है और उनमें से करीब 30,100 को राज्य से निर्वासित किया गया है। यह जानकारी बुधवार को राज्य विधानसभा को दी गई। कांग्रेस विधायक अब्दुर रहीम अहमद के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में असम समझौते के कार्यान्वयन मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि पिछले साल 31 दिसंबर, 2024 तक असम में अवैध रूप से रह रहे कुल 1,65,531 प्रवासियों का पता लगाया गया है। उन्होंने कहा, ''इनमें से 1966 और 1971 के बीच 32,870 विदेशी आए जबकि 1971 के बाद 1,32,661 लोग आए।'' मंत्री ने उनके मूल देश का विवरण साझा किए बिना कहा कि सरकार ने अब तक अवैध रूप से रह रहे 30,115 विदेशियों को असम से निर्वासित किया है।

मणिपुर में पांच उग्रवादी और एक समर्थक गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर में पिछले दो दिनों में प्रतिबंधित तीन संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, एक प्रतिबंधित संगठन के एक समर्थक को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारियां इंफाल पूर्व और पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों से की गई हैं। प्रतिबंधित संगठन 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए)' के सक्रिय सदस्य की पहचान वैखोम इबुंगो मेइती (26) के रूप में हुई है और उसे इंफाल पूर्व के हट्टा गोलापति इलाके से मंगलवार को गिरफ्तार किया गया।

नेपाल से 50 लाख लोगों ने किया संगम में स्नान

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। मां जानकी के मायके नेपाल में महाकुंभ को लेकर जबरदस्त उल्लास देखा जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम महाकुंभ में अब तक नेपाल से आए 50 लाख से अधिक लोगों ने संगम में डुबकी लगाई है। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यहां बड़े हनुमान जी के लिए विशेष रूप से भगवान राम के ससुराल नेपाल से पवित्र अक्षत एवं अन्य सामान लेकर लोग आ रहे हैं और यहां से गंगा जल और संगम की माटी अपने साथ नेपाल ले जा रहे हैं। नेपाली श्रद्धालुओं में बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट के प्रति अद्भुत आस्था देखने को मिल रही है। नेपाल के लोगों में प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में स्नान के साथ साथ अयोध्या में श्री राम और काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने का भी जुनून तेजी से बढ़ा है।

20-02-2025 सूर्यास्त 6:26 बजे | 21-02-2025 सूर्योदय 6:39 बजे

BSE	NSE
75,967.39	22,945.30
(-29.47)	(-14.20)

सोना	चांदी
8,919 रु.	98,743 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अंतहीन व्यभिचार

व्यभिचारी बालक हुए,
अभिभावक खामोश।
देते शिक्षा मीडिया,
धर्म जाति को दोष।
संस्कार किसने दिए,
इसका कर लो होश।
जागो जल्दी से करो,
अब उपाय कुछ ठोस।।

महाकुंभ भगदड़ पर योगी ने कहा:

कोई भी गुनहगार कितना भी बड़ा क्यों न हो, नहीं बचेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि महाकुंभ भगदड़ की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया गया है और वह सदन को विश्वास दिलाना चाहते हैं कि इसका कोई भी गुनहगार कितना भी बड़ा क्यों न हो, नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महाकुंभ भगदड़ और प्रयागराज यात्रा के दौरान सड़क हादसों में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों के साथ खड़ी है और उनकी हर संभव मदद करेगी। उन्होंने कहा,'' महाकुंभ भगदड़ की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया गया है और मैं सदन को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि प्रयागराज भगदड़ का कोई भी गुनहगार कितना भी बड़ा क्यों न हो, नहीं बचेगा।''

योगी ने विपक्षी दलों के सदस्यों के आरोपों पर पलटवार किया और खासतौर से समाजवादी पार्टी (सपा) को निशाना बनाते हुए कहा कि आज के समाजवादियों के बारे में मान्यता है कि जिस थाली में वे खाते हैं, उसी में वे छेद करते हैं। योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर विपक्ष के आरोपों पर कहा कि विपक्ष निरंतर महाकुंभ के आयोजन को लेकर दुष्प्रचार कर रहा है, जबकि यह आयोजन सनातन संस्कृति का गौरव है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा।

संगम का जल स्नान और आचमन दोनों के योग्य : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि संगम का जल स्नान और आचमन दोनों के योग्य पाया गया है। उन्होंने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए खासतौर से सपा प्रमुख अखिलेश यादव, उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा।

बजट सत्र के दूसरे दिन विधानसभा में शून्यकाल में समाजवादी पार्टी के सदस्यों की कार्यस्थगन की मांग (नियम-56 के तहत सदन की कार्यवाही रोक कर चर्चा कराने की मांग) के दौरान आरोपों का जवाब देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा,''उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड लगातार जल की गुणवत्ता की निगरानी कर रहा है तथा ताजा रिपोर्ट के अनुसार, संगम का जल स्नान और आचमन दोनों के योग्य पाया गया है।'' योगी ने संगम के जल की सराहना करते हुए 2013 के दौरान गंगा और यमुना की गंदगी का जिक्र किया तथा याद दिलाया कि उस समय स्थिति इतनी खराब थी कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने गंगा में डुबकी लगाने से इनकार कर दिया था।

केरल के मुन्नार में बस पलटने से तमिलनाडु के तीन छात्रों की मौत

मुन्नार (केरल)/भाषा। केरल के मट्टुपेट्टी के इको प्वाइंट पर एक बस के पलट जाने से उसमें मौजूद तमिलनाडु की दो लड़कियों सहित तीन छात्रों की मौत हो गई जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान आदिका (19), वेनिका (19) और सुथन (19) के रूप में हुई है। ये सभी पड़ोसी राज्य के कन्याकुमारी जिले के नागरकोइल स्थित स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज में पढ़ते थे।

उसने बताया कि यह दुर्घटना उस दौरान हुई जब कन्याकुमारी से मुन्नार घूमने छात्रों को ले जा रही पर्यटक बस पलट गई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ''इस दुर्घटना में दो लड़कियों और एक लड़के समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बस में कम से कम 47 छात्र मौजूद थे जिनमें से कम से कम 30 घायल हो गए हैं।'' उन्होंने बताया कि ऐसा संदेह है कि बस की रफ्तार अधिक होने से यह पलट गई।

पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो को थेनी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जबकि अन्य को पास के अस्पताल ले जाया गया है।

रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- सरकार बनाने का दावा पेश किया
- दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनीं गुप्ता आज दोपहर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी।
- छह विधायक भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी। दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से पार्टी विधायक दल की नेता चुने जाने के बाद उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया।

दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनीं गुप्ता बृहस्पतिवार दोपहर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। उनके साथ छह विधायक भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

गुप्ता का जन्म हरियाणा में हुआ और वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी रही हैं। वह दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक किया है।

विधायक दल की बैठक के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने घोषणा की कि रेखा गुप्ता को सर्वसम्मति से विधायक दल की नेता चुना गया है। भाजपा संसदीय बोर्ड ने प्रसाद और राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं प्रवेश वर्मा, विजेंद्र गुप्ता और सतीश उपाध्याय ने गुप्ता के नाम का प्रस्ताव किया। विधायक दल की बैठक में पार्टी के सभी 48 विधायक मौजूद थे।

भाजपा ने अरविंद केजरीवाल नीत आम आदमी पार्टी (आप) के 10 साल के शासन का खात्मा करते हुए दिल्ली में 27 साल बाद सत्ता में वापसी की है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आठ फरवरी को घोषित होने के 11 दिन बाद यह घोषणा की गई है।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी और कमलजीत सेहरावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी और वह कल दोपहर 12 बजे शपथ लेंगी। मुख्यमंत्री बनने के बाद रेखा गुप्ता वर्तमान में भाजपा की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री होंगी। इसके साथ ही, वह सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी के बाद दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी।

घोषणा के तुरंत बाद, गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि वह दिल्ली के प्रत्येक नागरिक के कल्याण, सशक्तीकरण और समग्र विकास के लिए पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ काम करेंगी।

दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की भावी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा में सदन की नेता चुने जाने के बाद राष्ट्रीय राजधानी के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है और ईमानदारी व समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लिया है। गुप्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन पर भरोसा जताने के लिए भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, ''दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपने और मुझ पर विश्वास जताने के लिए मैं शीर्ष नेतृत्व और दिल्ली की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। इस विश्वास और समर्थन ने मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा दी है। मैं दिल्ली के प्रत्येक निवासी के कल्याण, सशक्तीकरण और समग्र विकास के लिए पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लेती हूं। दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के इस महत्वपूर्ण अवसर के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।''

चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन मैच में

न्यूजीलैंड ने पहले मैच में पाकिस्तान को 60 रन से हराया

कराची/भाषा। सलामी बल्लेबाज विल यंग और कप्तान टॉम लैथम के शतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने मेजबान और गत चैम्पियन पाकिस्तान को चैम्पियंस ट्रॉफी के उद्घाटन मैच में बुधवार को 60 रन से हरा दिया । यंग ने 113 गेंद में 107 रन बनाये जबकि लैथम 118 रन पर नाबाद रहे जिसके दम पर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर पांच विकेट पर 320 रन बनाये । ग्लेन फिलिप्स ने नेशनल स्टेडियम पर खेले गए मैच में 39 गेंद में 61 रन बनाये । पाकिस्तान के शीर्षक्रम के बल्लेबाज बाबर आजम (90 गेंद में 64 रन), मोहम्मद रिजवान (14 गेंद में तीन रन) और सउद शकील (19 गेंद में छह रन) प्रभावित नहीं कर सके । मेजबान टीम 47 . 2 ओवर में 260 रन पर आउट हो गई । चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरे फखर जमां 41 गेंद में 24 रन ही बना सके । दो सप्ताह से कम समय में न्यूजीलैंड की पाकिस्तान पर यह तीसरी जीत है जिसने त्रिकोणीय शृंखला में उसे दो बार हराया । भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान के लिये राहत की एकमात्र बात निचले क्रम पर खुशदिल शाह की बल्लेबाजी रही।

जैश जैसे संगठनों के जरिये पाकिस्तान के आतंकवादी कृत्यों का हम शिकार रहे हैं : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, जो 20 से अधिक संयुक्त राष्ट्र-सूचीबद्ध आतंकवादी संगठनों को पनाह देता है और सीमा पार आतंकवाद का समर्थन प्रदान करता है।

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में कहा कि भारत जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के जरिये पाकिस्तान के आतंकवादी कृत्यों का शिकार रहा है और यह ''बड़ी विडंबना'' है कि आतंकवाद का वैश्विक केंद्र इस संकट के खिलाफ लड़ने का दावा करते हुए अपनी पीठ थपथपाता है।

चीन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार द्वारा मंगलवार को परिषद की 'बहुपक्षवाद का अभ्यास, वैश्विक प्रशासन में सुधार' विषय पर खुली बहस में जम्मू-कश्मीर के बारे में टिप्पणी करने के बाद संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कड़े शब्दों में देश का रुख स्पष्ट किया।

हरीश ने कहा, ''पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, जो 20 से अधिक संयुक्त राष्ट्र-सूचीबद्ध आतंकवादी संगठनों को पनाह देता है और सीमा पार आतंकवाद का समर्थन प्रदान करता है।'' उन्होंने कहा, '' इसलिए यह एक बड़ी विडंबना है जब पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे होने के लिए खुद की पीठ थपथपाता है। भारत जैश-ए-मोहम्मद और हरकत उल मुजाहिदीन जैसे कई अन्य आतंकवादी संगठनों के जरिये इस देश द्वारा किए गए आतंकवादी कृत्यों का शिकार रहा है।''

पाकिस्तान स्थित कई आतंकवादी संगठन और लोग संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की '1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति' के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं और उनकी संपत्ति जब्त की गई है, उनकी यात्रा पर प्रतिबंध हैं...।

पूर्व में पाकिस्तान के मित्र चीन ने अक्सर भारत और अमेरिका जैसे उसके सहयोगियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को काली सूची में डालने के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों को बाधिक किया है।

हरीश ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद का कोई भी रूप, प्रकार और उद्देश्य चाहे जो भी हो, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, ''कोई भी राजनीतिक शिकायत निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किए गए आतंकवाद को उचित नहीं ठहरा सकती। यह संस्था अच्छे और बुरे आतंकवादियों के बीच कोई अंतर नहीं कर सकती है।'' उन्होंने कहा कि डार को इस बात पर ध्यान देना चाहिए और परिषद का समय बर्बाद न किया जाए।

हरीश ने साथ ही कहा कि जम्मू-कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न व अविभाज्य अंग था, है और रहेगा।

भारत के पास कर से बहुत पैसा आता है, हम उनको 2.1 करोड़ डॉलर क्यों दे रहे हैं : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/फ्लोरिडा/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ''भारत में चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने'' के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आवंटन के मकसद पर सवाल उठाया है। उन्होंने साथ ही कहा, ''भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है।'' उन्होंने ये टिप्पणियां एलन मस्क के नेतृत्व वाले डीओजीई (सरकारी कार्यदक्षता विभाग) द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद की कि 'यूएसएड' ने भारत में मतदान में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है।

निजी अमेरिकी वाणिज्यिक अंतरिक्ष (एयरोस्पेस) और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कॉरपोरेशन (स्पेसएक्स) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मस्क के नेतृत्व में 16 फरवरी को सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने उन सभी मदों की सूची बनाई जिन पर ''अमेरिकी करदाताओं के पैसे खर्च किए जाएंगे।''

इस सूची में ''भारत में मतदान के दौरान मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर'' का अनुदान भी शामिल था।

सरकारी कार्यदक्षता विभाग ने बताया कि इन सभी मदों को रद्द कर दिया गया है। इस सूची में ''बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने'' के लिए 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन, साथ ही नेपाल में ''राजकोषीय संघवाद'' के लिए दो करोड़ अमेरिकी डॉलर और वहां ''जैव विविधता संरक्षण'' के लिए 1.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आवंटन भी शामिल है, जिन्हें रद्द कर दिया गया है। अपने स्वामित्व वाले निजी रिजॉर्ट 'मार-ए-लागो' में मंगलवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, ''...भारत में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता हम क्यों दे रहे हैं? उनके पास बहुत पैसा आता है। हमारे संदर्भ में भारत दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक है। उनके शुल्क बहुत अधिक हैं...'' उन्होंने मंगलवार को कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें संघीय सरकार द्वारा करदाताओं के पैसे की फिजूलखर्ची के बारे में 'आमूल-चूल पारदर्शिता' की आवश्यकता वाले ज्ञापन शामिल थे।

ट्रंप से मुलाकात करना चाहूंगा

पर बैठक को सार्थक बनाने के लिए तैयारियां होनी चाहिए : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलना चाहेंगे, लेकिन इस बैठक को ''सार्थक'' बनाने के लिए तैयारियां की जानी चाहिए।

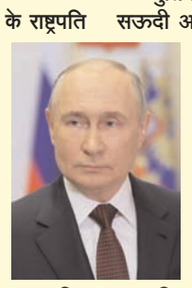

पुतिन ने टेलीविजन पर दिए गए संबोधन में कहा, ''मैं एक बैठक करना चाहूंगा, लेकिन इसकी तैयारी इस तरह से करनी होगी कि इससे नतीजे सामने आएं।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप से मिलकर उन्हें ''खुशी'' होगी।

पुतिन ने मंगलवार को सऊदी अरब के रियाद में वरिष्ठ रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच हुई बातचीत की सराहना की और कहा कि दोनों पक्ष बिगड़े हुए राजनयिक संबंधों को बहाल करने पर सहमत हुए हैं।

पुतिन ने यह भी कहा कि ट्रंप ने स्वीकार किया है कि यूक्रेनी समझौते में उनकी उम्मीद से अधिक समय लग सकता है।

भारी रॉड गिरने से महिला 'पावर लिफ्टर' की मौत

जयपुर/भाषा। राजस्थान के बीकानेर जिले के नया शहर थाना क्षेत्र में जूनियर राष्ट्रीय खेलों में अभ्यास के दौरान 270 किलो की रॉड गर्दन पर गिरने से स्वर्ण पदक विजेता महिला पावर लिफ्टर की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। थानाधिकारी विक्रम तिवाड़ी ने बताया कि महिला पावर लिफ्टर यष्टिका आचार्य (17) की मंगलवार शाम व्यायामशाला में अभ्यास करते समय मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे के तुरंत बाद पावर लिफ्टर को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तिवाड़ी ने बताया कि व्यायाशाला में जब प्रशिक्षक यष्टिका को वेट लिफ्ट करवा रहा था तो उसी दौरान यह हादसा हुआ।

आरएसएस के नए कार्यालय में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे शाह और नड्डा समेत भाजपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा समेत पार्टी के कई नेता बुधवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में आयोजित संघ के सम्मेलन में भाग लेने यहां संघ के नए कार्यालय पहुंचे।

आरएसएस के राष्ट्रीय महासचिव दत्तात्रेय होसबाले भी झंडेवालान स्थित कार्यालय में 'कार्यकर्ता सम्मेलन' में संगठन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ उपस्थित थे। नवनिर्मित कार्यालय केशव कुंज का निर्माण लगभग 150 करोड़ रुपए की लागत से आठ वर्षों में किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, लगभग 300 कमरों और कार्यालयों वाले 13 मंजिला तीन टावरों को आरएसएस की विचारधारा और उसके काम के प्रति सहानुभूति रखने वाले 75,000 से अधिक लोगों के योगदान से बनाया गया था। आरएसएस का दिल्ली कार्यालय और उससे जुड़े कुछ संगठन पिछले कुछ महीनों में धीरे-धीरे नए बहुमंजिला परिसर में स्थानांतरित हो गए हैं। आरएसएस 2016 से एक किराए के परिसर में अपनी गतिविधियों का संचालन कर रहा था। झंडेवालान स्थित कार्यालय से संघ 1962 से काम कर रहा है। नया परिसर पहले की दो मंजिला इमारत से एक बड़ा बदलाव है, इसे हवादार और पर्याप्त सूर्य के प्रकाश के संपर्क में लाने के लिए प्राचीन वास्तुशिल्प प्रथाओं के साथ आधुनिक तकनीक का मिश्रण किया गया है। तीन टावरों (भूतल और 12 मंजिल) के नाम साधना, प्रेरणा और अर्चना हैं। इसके सबसे बड़े सभागारों में से एक का नाम विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक प्रमुख पदाधिकारी अशोक सिंघल के नाम पर रखा गया है, जो राम मंदिर आंदोलन से निकटता से जुड़े हुए थे।

सोना फिर 89,400 रुपए के सर्वकालिक उच्चस्तर पर, चांदी में 600 रुपए की तेजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मजबूत वैश्विक रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 900 रुपए बढ़कर 89,400 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 88,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 14 फरवरी को स्थानीय बाजारों में यह 1,300 रुपए बढ़कर 89,400 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। इस साल अबतक सोने का भाव 10,010 रुपए यानी 12.6 प्रतिशत बढ़कर 89,400 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि एक जनवरी को सोने का भाव 79,390 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इसके अलावा, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोने की कीमत 900 रुपए की तेजी के साथ 89,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 88,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नए शुल्क की धमकियों के बीच सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने और सतत लिवाली के साथ-साथ बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण बुधवार को सोने में तेजी जारी रही। चांदी का भाव भी बुधवार को 600 रुपए बढ़कर 99,600 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषण विभाग के उपाध्यक्ष (जिंस और मुद्रा), जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''सोने में तेजी जारी रही। शुल्क के कारण वैश्विक अनिश्चितता ने सोने की स्थिति को सुरक्षित-संपत्ति के रूप में मजबूत किया है, बैंकों और कोषों ने अधिक आवंटन बनाए रखा है।'' अप्रैल डिलिवरी के लिए कॉमेक्स सोना वायदा 12 डॉलर बढ़कर 2,960.99 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्चस्तर के करीब पहुंच गया। पिछले सप्ताह वैश्विक बाजारों में यह 2,968.50 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। एशियाई कारोबार के घंटों में कॉमेक्स चांदी वायदा भी 33.61 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की जनवरी की मौद्रिक नीति बैठक के ब्योरे का इंतजार कर रहे हैं।''

शिवाजी महाराज का अपमान करने वालों को राज्य माफ नहीं करेगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें योग्य प्रशासक करार दिया। उन्होंने कहा कि शिवाजी ने एक कल्याणकारी राज्य के संचालन का उदाहरण स्थापित किया था।

फडणवीस ने पुणे जिले के शिवनेरी किले में मराठा सम्राट को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि जो लोग छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने की कोशिश करेंगे, उन्हें उनकी 'असली जगह' दिखाई जाएगी और राज्य उन्हें माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने न सिर्फ स्वराज्य की स्थापना की, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई। महान योद्धा शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे जिले की जुन्नर तहसील के शिवनेरी में हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर शिवनेरी किले में आयोजित 'पालना अनुष्ठान' समेत विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। मराठा सम्राट की 395वी जयंती पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग किले में एकत्र हुए।

किले में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, ''जब कई राजाओं और राज्यों ने मुगल शासन को स्वीकार कर लिया, तो राजमाता जीजाबाई ने छत्रपति शिवाजी महाराज को ऐसे नेतृत्व के रूप में देखा, जो शोषण और अत्याचार को खत्म करेंगे और लोगों को स्वराज्य की ओर ले जाएंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी मां से प्राप्त मूल्यों के साथ शिवाजी महाराज ने सभी समुदायों के लोगों को एकजुट किया और मावलों की एक सेना बनाई। उन्होंने न केवल 'स्वराज्य' की स्थापना की, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई। फडणवीस ने शिवाजी महाराज के किलों के संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वे मंदिरों से भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन किलों के संरक्षण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और इन सभी स्थलों से अतिक्रमण हटाने के लिए एक कार्य बल का गठन किया गया है।

ज्ञानेश कुमार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त, विवेक जोशी ने ईसी का पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में पदभार ग्रहण किया, जबकि विवेक जोशी ने निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला।

ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया।

राजीव कुमार के मंगलवार को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख का पदभार सौंपा गया। सुखबीर सिंह संधू एक अन्य निर्वाचन आयुक्त हैं। हरियाणा काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया। कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद मतदाताओं को दिए अपने संदेश में कहा, ''राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है। इसलिए 18 वर्ष आयु पूरी कर चुके भारत के हर एक नागरिक को मतदाता बनना चाहिए और हमेशा मतदान करना चाहिए।'' कुमार ने कहा, ''निर्वाचन आयोग मतदाताओं के साथ था, है

भारत, अर्जेंटीना ने लिथियम और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की खोज के लिए समझौते पर किये हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अर्जेंटीना ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किये। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य खनिजों, विशेषकर लिथियम का पता लगाने और संसाधन विकास में एक दूसरे के साथ गहरी साझेदारी बढ़ाना है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी और अर्जेंटीना के कैटामार्का के गवर्नर राउल एलेजांद्रो जलील की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और अर्जेंटीना ने खनन क्षेत्र में अपने सहयोग को बढ़ाने पर बातचीत की। खासतौर पर, दोनों देशों ने लिथियम खोज और इस क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर चर्चा की। बयान में कहा गया कि बैठक का एक मुख्य आकर्षण खान मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक उपक्रम मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) और अर्जेंटीना के कैटामार्का की प्रांतीय सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करना था, जो महत्वपूर्ण खनिजों पता लगाने और संसाधन विकास में मजबूत सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा।

रेमंड में हुई साइबर सुरक्षा से जुड़ी घटना, कुछ आईटी संपत्तियां हुईं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रियल एस्टेट कंपनी रेमंड लिमिटेड ने बुधवार को कंपनी में साइबर सुरक्षा से जुड़ी एक समस्या के बारे में जानकारी दी। इस घटना ने कंपनी के कुछ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संपत्तियों को प्रभावित किया है।

रेमंड लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी में एक साइबर सुरक्षा से जुड़ी घटना घटित हुई है और इसका प्रभाव कंपनी के कुछ आईटी संसाधनों पर पड़ा है। कंपनी ने बताया कि प्रभावित संपत्तियों को अलग कर दिया है। रेमंड लिमिटेड ने कहा कि इस घटना से हमारी मुख्य प्रणालियों और परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। कंपनी ने कहा, ''हमारे किसी भी ग्राहक या स्टोर परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है तथा वे सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं।

रेमंड ने भरोसा दिया कि कंपनी की तकनीकी टीम ने साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की एक विशेष टीम और प्रबंधन के साथ मिलकर तुरंत प्रतिक्रिया दी और इस घटना के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतीं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वह इस मामले की जांच कर रही है।

बीमा कंपनियां प्रीमियम भुगतान के लिए खाते से स्वयं पैसा कटने की सुविधा दें: इरडा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने जीवन और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को खाते में 'ब्लॉक' राशि के जरिये समर्थित बीमा आवेदन की सुविधा प्रदान करने के लिए कहा है। यह एक ऐसी सुविधा है जिसमें पॉलिसीधारक अपने बैंक खाते में प्रीमियम राशि को 'ब्लॉक' कर सकता है और जब पॉलिसी जारी होती है, राशि खाते से निकल जाती है।

यह ठीक वैसे ही जैसे शेयर बाजार में आईपीओ के लिए आवेदन देते समय राशि 'ब्लॉक' की जाती है। रकम तभी कटती है जब आईपीओ का आवंटन होता है।

इरडा के मानदंडों के अनुसार, बीमा कंपनी के ग्राहक को दिये गये प्रस्ताव की स्वीकृति के निर्णय के बारे में सूचित करने के बाद ही प्रीमियम का भुगतान किया जाएगा।

यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) वन टाइम मैंडेट (ओटीएम) सुविधा उपयोगकर्ताओं को विशिष्ट लेनदेन के लिए अपने बैंक खातों में धनराशि को 'ब्लॉक' करने की अनुमति देती है।

जम्मू-कश्मीर 'बुरी नजर' की साये से बाहर निकलकर प्रमुख पर्यटन स्थल बनेगा: उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि राज्य 'बुरी नजर' के साये से बाहर निकल रहा है और भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में अपना दर्जा पुनः प्राप्त करने की कगार पर है। अब्दुल्ला ने विश्व भर के लोगों को इस मनोरम क्षेत्र का भ्रमण करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे 'धरती पर स्वर्ग' के नाम से जाना जाता है।

यहां यशोभूमि में एसएटीटीई प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर की समृद्ध और विविध स्थलों पर प्रकाश डाला तथा गुलमर्ग और पहलगाम जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों एवं माता वैष्णो देवी और अमरनाथ तीर्थस्थलों की धार्मिक तीर्थयात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने साउथ एशियाज एंड टूरिज्म एक्सचेंज (एसएटीटीई) में कहा कि जम्मू-कश्मीर में छुट्टियां मनाने वालों से लेकर साहसिक खेल प्रेमियों और समाज में प्रभाव डालने वाले व्यक्तियों से लेकर सोशल मीडिया के प्रति उत्साही लोगों तक, सभी की संतुष्टि के लिए बहुत कुछ है।

मुख्यमंत्री ने कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच बेहतर संपर्क के बारे में बात की, जिसमें सीधा रेल संपर्क भी शामिल है और इसके जल्द ही शुरू होने की संभावना है। उन्होंने कहा, बुरी नजर के कारण जम्मू-कश्मीर में पिछले 30 से 35 वर्षों से कठिन समय रहा है, लेकिन अब यह क्षेत्र इससे उबर रहा है और एक बार फिर घरेलू पर्यटन के लिए भारत के प्रमुख स्थलों में से एक है। अब्दुल्ला ने 1990 के दशक की शुरुआत में आतंकवाद का जिक्र करते हुए कहा, विभिन्न दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों द्वारा जारी यात्रा परामर्शों से उत्पन्न कठिनाइयों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में भी वृद्धि हो रही है। उन्होंने प्रसिद्ध फारसी कवि अमीर खुसरो के इस कथन का भी उल्लेख किया कि गर फिरदौस, बर रूहे ज़मीन अस्त, हमीं अस्तो, हमीं अस्तो, हमीं अस्त (यदि इस धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है)।

अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू को मंदिरों के शहर के रूप में जाना जाता है और यहां विरासत और सीमा पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं। गुरेज जैसे स्थान, जो कभी अपेक्षाकृत अज्ञात थे, अब सबसे तेजी से बढ़ते पर्यटन क्षेत्रों में से हैं। उन्होंने कहा, ... पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर कश्मीर सीमा पर्यटन, चाहे हम तंगधार, माछिल, करनाह या केरन की बात करें, इन क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है।

अदाणी समूह की नौ कंपनियों के शेयर टूटे, 'ग्रीन' में लगभग 4% गिरावट

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की नौ कंपनियों के शेयरों में बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने एक संघीय न्यायाधीश को बताया कि कथित रिश्वतखोरी मामले में गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ अपनी शिकायत को आगे बढ़ाने के उसके प्रयास 'जारी' हैं, जिसमें भारतीय अधिकारियों से सहायता के लिए अनुरोध भी शामिल है। बीएसई पर अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर में 3.75 प्रतिशत, समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड में 1.78 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 1.36 प्रतिशत, सांघी इंडस्ट्रीज में 1.36 प्रतिशत, एसीसी में 0.93 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 0.90 प्रतिशत, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 0.81 प्रतिशत, अदाणी पावर में 0.47 प्रतिशत और अदाणी पोर्ट्स के शेयर में 0.28 प्रतिशत की गिरावट आई। दिनभर के कारोबार में अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 4.25 प्रतिशत और अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 4.30 प्रतिशत तक गिर गया था। हालांकि, एनडीटीवी के शेयर में 1.35 प्रतिशत और अदाणी टोटल गैस के शेयर में 0.54 प्रतिशत की तेजी आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 28.21 अंक गिरकर 75,939.18 अंक पर, तो एनएसई निफ्टी 12.40 अंक टूटकर 22,932.90 अंक पर बंद हुआ।

मीडिया को कोई बयान, समाचार प्रकाशित करने से पहले अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि मीडिया में प्रमुख पदों पर कार्यरत व्यक्तियों को कोई भी बयान, समाचार या विचार प्रकाशित करने से पहले अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोपरि है।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि जनमत को आकार देने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है और प्रेस तेज गति से जन भावनाओं को प्रभावित करने और धारणाओं को बदलने की क्षमता रखता है। पीठ ने यह टिप्पणी समाचार पत्र 'टाइम्स ऑफ इंडिया' के संपादकीय निदेशक और अन्य पत्रकारों के खिलाफ मानहानि का मामला खारिज करते हुए की, जिन पर 'बिड एंड हैमर - फाइन आर्ट ऑक्शनियर्स' द्वारा नीलाम की जाने वाली कुछ पेंटिंग की प्रामाणिकता पर कथित मानहानिकारक खबरें प्रकाशित करने का आरोप लगाया गया था। पीठ ने 18 फरवरी के अपने फैसले में कहा, ''हम इस बात पर जोर देना जरूरी समझते हैं कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत प्रदत्त वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोपरि है। साथ ही, यह भी उल्लेख किया जाता है कि मीडिया में काम करने वाले व्यक्तियों, विशेषकर प्रमुख पदों पर कार्यरत व्यक्तियों, लेखकों आदि को कोई भी बयान, समाचार या विचार प्रकाशित करने से पहले अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए तथा जिम्मेदारी के साथ ऐसा करना चाहिए।'' शीर्ष अदालत ने ब्रिटिश उपन्यासकार एवं कवि बुल्वर लिटन के कथन को उद्धृत करते हुए कहा, ''कलम तलवार से अधिक शक्तिशाली है।''

पीठ ने कहा कि मीडिया की व्यापक पहुंच को देखते हुए, कोई आलेख या रिपोर्ट लाखों लोगों को प्रभावित कर सकती है तथा उनके निर्णय को आकार दे सकती है।

कांगो की महिला तस्कर ने 5.4 करोड़ रुपए की कोकीन के कैप्सूल निगले, गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। राजस्व खुफिया निदेशालय ने मुंबई में मादक पदार्थ की तस्करी करने के आरोप में 5.44 करोड़ रुपए मूल्य की कोकीन (544 ग्राम) के 10 कैप्सूल निगलने वाली कांगो की एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

केंद्र ने बाढ़, भूस्खलन और चक्रवात प्रभावित पांच राज्यों के लिए 1554.99 करोड़ रुपए को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक समिति ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत वर्ष 2024 में बाढ़, भूस्खलन और चक्रवाती तूफानों से प्रभावित पांच राज्यों को 1554.99 करोड़ रुपए की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता राशि मुहैया कराने को मंजूरी दी है। आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल 1554.99 करोड़ रुपए में से आंध्र प्रदेश को 608.08 करोड़ रुपए, नगालैंड को 170.99 करोड़ रुपए, ओडिशा को 255.24 करोड़ रुपए, तेलंगाना को 231.75 करोड़ रुपए और त्रिपुरा को 288.93 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) विभिन्न परीक्षा-संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए पात्र और अनुभवी सेवा प्रदाताओं को अपनी **रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)** प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करती है।

सेवाओं के संक्षिप्त दायरे में निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं:

1. **सीसीटीवी निगरानी** : सुरक्षित और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया के लिए परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, निगरानी और प्रबंधन।

2. **बायोमेट्रिक कैप्चरिंग** : अभ्यर्थियों की पहचान और सत्यापन के लिए, अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक्स डेटा एकत्र करने हेतु जनशक्ति की तैनाती।

3. **तलाशी एवं भीड़ प्रबंधन** : पेशेवर तलाशी और प्रभावी भीड़ प्रबंधन के माध्यम से परीक्षा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करना।

अधिक जानकारी के लिए, एनटीए वेबसाइट **https://nta.ac.in/Tender** के टेंडर सेक्शन पर जाएं।

ह/-
संयुक्त निदेशक

CBC 21354/12/0008/2425

न्यायालय ने सीईसी और ईसी की नियुक्तियों के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को 2023 के कानून के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने संकेत दिया कि समय की कमी के कारण मामले को होली के त्योहार की छुट्टी के बाद सूचीबद्ध किया जाएगा। हालांकि, मामले की सुनवाई के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई।

याचिकाकर्ता एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मामले में एक छोटा कानूनी सवाल शामिल है - क्या प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के प्रधान न्यायाधीश की समिति के माध्यम से सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए 2023 के संविधान पीठ के फैसले का पालन किया जाना चाहिए या 2023 के कानून का पालन किया जाना चाहिए, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को समिति से बाहर रखा गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने दोपहर करीब 3 बजे भूषण से कहा कि वह विशेष पीठ में बैठेंगे और होली की छुट्टी से पहले अदालत के पास कई मामले सूचीबद्ध हैं। भूषण ने मामले को आने वाले सप्ताह में किसी भी दिन सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया और आश्वासन दिया कि याचिकाकर्ताओं को प्रस्तुतियां देने में एक घंटे से अधिक समय नहीं लगेगा। याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने भी मामले की तत्काल सुनवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ''लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है''। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालय के लिए सभी मामले समान रूप से महत्वपूर्ण हैं और कोई भी मामला दूसरों से बड़ा नहीं है।

बधाई

बेंगलूरु में आयोजित अत्यधिक सफल एयर शो के मद्देनजर, भारतीय वायु सेना के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से उनके 'कावेरी आवास' पर मुलाकात की और उन्हें बधाई दी।

मुडा मामले में लोकायुक्त पुलिस से मुख्यमंत्री को मिली क्लीन चिट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में मुडा (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले की जांच कर रही लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को कहा कि सबूतों के अभाव में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनकी पत्नी पार्वती के खिलाफ आरोप साबित नहीं हो सके। जांच अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने उच्च न्यायालय में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यही अपेक्षा की जा रही थी कि लोकायुक्त रिपोर्ट में सिद्दरामय्या को क्लीनचिट दी जाएगी। वहीं, मामले में शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''केवल वे अधिकारी ही ऐसी रिपोर्ट दे सकते हैं जिन्होंने अपना जमीर बेच दिया हो।'' कृष्णा ने कहा, ''...लोकायुक्त अधिकारियों ने मुझे नोटिस दिया है। उनका मानना है कि मैंने जो आरोप लगाए हैं, उनके लिए सबूतों का अभाव है। ऐसी रिपोर्ट केवल वही अधिकारी दे सकते हैं जिन्होंने अपना जमीर बेच दिया हो। यह मामला इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे जांच अधिकारी, जो 'प्रभाव' में हैं, काम करते हैं जैसे उन्हें पता ही नहीं है कि आरोपों को साबित करने के लिए कौन से सबूत पर्याप्त हैं।''लोकायुक्त पुलिस ने मामले में शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को लिखे पत्र में कहा, ''चूंकि मामले में आरोपी-1 से लेकर आरोपी-4 के खिलाफ उपरोक्त आरोप साक्ष्य के अभाव में साबित नहीं हो पाए हैं, इसलिए अंतिम रिपोर्ट उच्च न्यायालय में दाखिल की जा रही है।'' सिद्दरामय्या और उनकी पत्नी के अलावा उनके करीबी रिश्तेदार मल्लिकार्जुन स्वामी और जमीन के मालिक देवराजू भी आरोपी हैं।

लोकायुक्त पुलिस ने कहा कि मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा 2016 से 2024 तक 50:50 के अनुपात में प्रतिपूरक भूखंड उपलब्ध कराने के आरोपों की आगे जांच की जाएगी और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 173 (8) के तहत उच्च न्यायालय को अतिरिक्त अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में, यह आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामय्या की पत्नी की अधिग्रहित 3.16 एकड़ जमीन के बदले में उन्हें मैसूरू के एक पॉश इलाके में भूखंड आवंटित किए गए, जिनकी कीमत अधिग्रहित जमीन की तुलना में काफी अधिक थी। आरोप है कि मैसूरू तालुक के कसाबा होबली के कसारे गांव के सर्वे नंबर 464 में स्थित 3.16 एकड़ जमीन पर पार्वती का कोई कानूनी हक नहीं था। लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ही मामले की जांच कर रहे हैं।

'हिंदी थोपने' के खिलाफ द्रमुक का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने केंद्र द्वारा कथित रूप से हिंदी थोपे जाने के खिलाफ अपना प्रदर्शन तेज कर दिया है। पार्टी ने बुधवार को कोलम अभियान शुरू किया जिसमें चावल के आटे से सड़कों पर रंगोली बनाकर विरोध दर्ज कराया जाता है। द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया पर भारतीदासन की एक कविता पोस्ट की, जिसमें आश्चर्य जताया गया कि अगर हिंदी अनिवार्य है तो क्या हिंदी को खत्म करना उनके लिए अनिवार्य नहीं है। भारतीदासन (1891-1964) तमिलनाडु के एक प्रसिद्ध कवि थे। स्टालिन ने महिलाओं द्वारा सड़कों पर कोलम (रंगोली) बनाने का एक वीडियो क्लिप भी साझा किया।

द्रमुक और उसके सहयोगियों ने 18 फरवरी को इस मुद्दे पर यहां विरोध प्रदर्शन किया था। द्रमुक युवा मोर्चा के सचिव और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने केंद्र को चेतावनी दी कि वह राज्य और उसके सहयोगियों पर एक और भाषा थोपने की कोशिश न करे।

द्रमुक के आधिकारिक मुखपत्र 'मुरासोली' ने 19 फरवरी 2025 के संपादकीय में द्रमुक के संस्थापक नेता सीएन अन्नादुरई के हिंदी थोपने के खिलाफ दिए गए तर्कों को उद्धृत किया। अन्ना' के नाम से प्रसिद्ध अन्नादुरई ने कहा था कि यह मुद्दा भाषा का नहीं बल्कि वर्चस्व का है।

द्रमुक के तमिल दैनिक ने संविधान के प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा नियम 1976 का हवाला देते हुए कहा, इसलिए, हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं है... यह केवल राजभाषा है। इसके अलावा, द्रविड़ विचारधारा के इस मुखपत्र ने कहा कि हिंदी के साथ अंग्रेजी भी राजभाषा है और हिंदी पर चर्चा करते समय बहुलवादी भारत को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

करीब 40 साल पहले खरीदी गई जमीन में कोई अवैधता नहीं : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा रामनगर जिले में उनकी जमीन का सर्वेक्षण किए जाने के बीच बुधवार को कहा कि करीब चालीस साल पहले उन्होंने जो जमीन खरीदी थी, उसमें कोई अवैधता नहीं है। जनता दल (एस) नेता ने दावा किया कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर भी निशाना साधा। कुमारस्वामी ने कहा, मैंने 40 साल पहले जमीन खरीदी थी। चालीस साल से कई बार सर्वेक्षण और जांच हो चुकी है। मैं इसके लिए तैयार हूं...40 साल तक कोई शिकायतकर्ता नहीं था। अब अचानक वे कैसे सामने आ गए?

उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 1986-87 में ही कांग्रेस नेता सी एम लिंगप्पा और जिला पंचायत सदस्य रामचंद्र ने तत्कालीन मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री तथा अन्य को एक याचिका सौंपकर आरोप लगाया था कि जमीन अवैध रूप से खरीदी गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मेरे पास सारे दस्तावेज हैं। यह सरकार और राज्य के संसाधनों की रक्षा करने का दावा करने वाले (कार्यकर्ता) मेरे खिलाफ हो गए हैं। अभी तक मुझे उच्च न्यायालय से कोई नोटिस नहीं मिला है। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला कि अधिकारी बिना नोटिस दिए ही मेरी जमीन का सर्वेक्षण करने आ रहे हैं, तो मैंने प्रधान सचिव और उपायुक्त से इस बारे में पूछा, तब जाकर उन्होंने नोटिस दिया। मैंने सर्वेक्षण की अनुमति दी। मैंने उनसे यह भी कहा कि वे किसी भी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से सर्वेक्षण करवा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने जो जमीन खरीदी है, उसमें कोई अवैधता नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि उनके पास दस्तावेजी सबूत हैं कि किसने किस तरह की अवैधताएं की हैं और कैसे सरकारी जमीनों पर दूसरों ने अवैध कब्जा कर लिया है। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को रामनगर जिले के बिदादी होबली के केथागनहल्ली में कुमारस्वामी की कृषि भूमि का सर्वेक्षण किया।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि कुमारस्वामी ने 14 एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया है। उच्च न्यायालय ने राजस्व विभाग को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। सरकार ने कुमारस्वामी पर भूमि अतिक्रमण के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

मंत्री ने बाघ की मौत की जांच के आदेश दिए

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खांडरे ने शिवमोग्गा जिले के अंबालिगोला जलाशय में एक मृत नर बाघ के मिलने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मंत्री ने 18 फरवरी को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन को लिखित निर्देश जारी कर कहा था कि मीडिया में प्रकाशित तस्वीरों में बाघ के शरीर पर गोली (छर्रा) लगने के संकेत मिले हैं।

उन्होंने इस मामले की जांच करने और 10 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

खांडरे ने स्थानीय लोगों द्वारा इस बात का संदेह जताए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट का जिक्र किया कि बाघ को कहीं और मारकर यहां फेंक दिया गया था। मंत्री ने इस पहलू की भी जांच करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा ने कर्नाटक की वित्तीय स्थिति पर श्वेतपत्र लाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा ने बुधवार को मांग की कि सात मार्च को कर्नाटक का बजट पेश करने से पहले मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेतपत्र पेश करें। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई निशुल्क सुविधा वाली पांच गारंटी योजनाओं के वित्तीय बोझ के कारण ''कर्नाटक दिवालियापन'' की ओर बढ़ रहा है।

विजयेंद्र ने यह भी दावा किया कि राज्य के स्वामित्व वाला कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) वित्तीय कुप्रबंधन के कारण बंद होने की कगार पर है। भाजपा नेता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कर्नाटक के लोग कांग्रेस सरकार द्वारा वादा की गईं मुफ्त गारंटी के लिए भारी कीमत चुका रहे हैं।'' विजयेंद्र ने दावा किया कि संपत्ति पंजीकरण शुल्क में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, बेंगलूरु मेट्रो रेल किराए में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई और दूध की कीमतों में 15 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पर केएसआरटीसी का 7,000 करोड़ रुपये बकाया है, जिससे ये बंद होने की कगार पर पहुंच गया है।

उन्होंने आरोप लगाया, कर्नाटक की वित्तीय स्थिति बदतर हो रही है जबकि राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में 1.19 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया है। संवाददाता सम्मेलन में सांसद पी.सी. मोहन, पूर्व मंत्री गोपालैया, विधायक उदय गरुड़ाचार, राज्य के मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण और पार्टी नेता उपस्थित थे।

फिल्म देरी से दिखाने पर पीवीआर आईनॉक्स पर एक लाख रुपये का जुर्माना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु की एक जिला उपभोक्ता अदालत ने थिएटर पीवीआर आईनॉक्स को अत्यधिक विज्ञापन प्रसारित करके फिल्म स्क्रीनिंग में देरी करने का दोषी पाया है और इसे अनुचित व्यापार व्यवहार करार दिया है। अदालत ने मल्टीप्लेक्स को दंडात्मक हर्जाने के तौर पर एक लाख रुपये देने और यह सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया कि दर्शकों को फिल्म के शुरू होने का वास्तविक समय स्पष्ट रूप से बताया जाए। बेंगलूरु के एक निवासी ने अपने दो परिवारिक सदस्यों के साथ दिसंबर 2023 में फिल्म 'सैम बहादुर' का शाम 4.05 बजे का शो देखने के बाद यह मामला दायर किया था। देर तक विज्ञापन दिखाए जाने के कारण फीचर फिल्म शाम 4.30 बजे शुरू हुई जिससे उनका कार्यक्रम गड़बड़ा गया और समय भी बर्बाद हुआ।

शिकायतकर्ता को असुविधा और मानसिक परेशानी के लिए 20,000 रुपये और मुकदमे की लागत को कवर करने के लिए 8,000 रुपये दिए गए। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि आज की तेज़-रफ़्तार दुनिया में समय बहुत कीमती है और किसी भी व्यवसाय को उपभोक्ताओं के समय और पैसे का अनुचित लाभ उठाने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा, विज्ञापन देखने में 25 से 30 मिनट बिताना समय की एक महत्वपूर्ण बर्बादी है, खासकर ऐसे लोगों के लिए जिनकी दिनचर्या बहुत व्यस्त है। लोग तनावमुक्त होने के लिए मनोरंजन चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी कोई अन्य ज़िम्मेदारियाँ नहीं हैं। पीवीआर आईनॉक्स ने सरकारी नियमों का हवाला देते हुए फिल्मों से पहले सार्वजनिक सेवा घोषणाओं (पीएसए) की स्क्रीनिंग की आवश्यकता का बचाव किया। हालाँकि, अदालत ने कहा कि ये दिशानिर्देश ऐसी स्क्रीनिंग को अधिकतम 10 मिनट तक सीमित करते हैं। शिकायतकर्ता ने विज्ञापनों को सबूत के तौर पर रिकॉर्ड किया था, जिससे पीवीआर आईनॉक्स ने तर्क दिया कि इसने पायरेसी विरोधी कानूनों का उल्लंघन किया। अदालत ने इस दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि केवल विज्ञापन ही रिकॉर्ड किए गए थे, न कि फ़िल्म और ऐसा दर्शकों को प्रभावित करने वाले मुद्दे को उजागर करने के लिए किया गया था।

न्यायालय ने तमिलनाडु की ओर से उठाए गए मुद्दों का समिति से समाधान करने को कहा

त्रिवेन्द्रम/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुल्लापेरियार बांध की सुरक्षा की निगरानी कर रही नवगठित समिति को तमिलनाडु सरकार द्वारा उठाये गए मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी मुद्दों की जांच करने और रिपोर्ट दाखिल करने का बुधवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि केंद्र द्वारा 3 जनवरी को पुनर्गठित समिति के अध्यक्ष एक सप्ताह में तमिलनाडु और केरल के अधिकारियों की बैठक बुलाएं और तमिलनाडु द्वारा उठाए गए मुद्दों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास करें। पीठ ने कहा कि यदि पेड़ों की कटाई और बांध की मरम्मत सहित अन्य मुद्दों का सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान नहीं किया गया तो उच्चतम न्यायालय इस पर निर्णय लेगा।

न्यायालय ने कहा, तीन जनवरी 2025 को एक नयी पर्यवेक्षी समिति और उसके अध्यक्ष की नियुक्ति की गई। इसे तमिलनाडु द्वारा किये गए अनुरोध पर गौर करना चाहिए और ऐसे समाधान तलाशने चाहिए जो दोनों पक्षों द्वारा स्वीकार किए जाएं। हालांकि, किसी भी विवाद की स्थिति में समिति को निर्देश दिया जाता है कि वह इस अदालत में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करे ताकि छूटे हुए मुद्दों पर निर्णय लिया जा सके। शीर्ष अदालत ने चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि कुछ मुद्दे ''बहुत बचकाने'' स्वरूप के हैं और इन्हें दोनों राज्यों के बीच सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाया जा सकता है।

अदालत ने कहा कि बांध को कुछ भी होने की स्थिति में केरल की तबाही के बारे में एक खास तरह का ''प्रचार'' किया गया। पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत के समक्ष विषय से संबंधित ऐसे कई मामले लंबित हैं जिनमें राहत का अनुरोध किया गया है और एक पीठ ने तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष एक मुद्दे को सूचीबद्ध किया है।

रण रथ का आगाज

यहां बुधवार को विधानसौधा परिसर में नाडदेवी भुवनेश्वरी की प्रतिमा के समक्ष आबकारी और बागलकोट जिला प्रभारी मंत्री आरबी थिम्मापुर ने कवि चक्रवर्ती रत्न वैभव की 'रणरथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कवि चक्रवर्ती की महिमा का जश्न मनाने के लिए मुधोल और बेलगावी में 22, 23 और 24 फरवरी को कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रण वैभव 2025 सांस्कृतिक महोत्सव के एक भाग के रूप में आज रण रथ का शुभारंभ किया गया। यह रथ विभिन्न जिलों से होते हुए 22 फरवरी को बेलगावी पहुंचेगा। इस अवसर पर विधायक जे टी पाटिल, बी बी चिम्मनकाट्टी, परिषद सदस्य पी एच पूजार, हनुमंत निरानी, पूर्व मंत्री अजय कुमार सर नायक, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग की निदेशक धरणीदेवी मालगट्टी, राज्य सरकार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शदाक्षरी और कई अन्य उपस्थित थे।

राज्य की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 25 फरवरी को केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात करेंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/उदयपुर। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि वह राज्य की सभी सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए 25 फरवरी को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मुलाकात करेंगे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने 25 फरवरी को समय दिया है। मैं मेकेदातु, महादयी और अपर कृष्णा परियोजना प्रस्तावों पर चर्चा करूंगा और विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिए घोषित धनराशि जारी करने की भी मांग करूंगा। मुझे विश्वास है कि केंद्र हमारे अनुरोधों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगा, उन्होंने दूसरे अखिल भारतीय राज्य जल संसाधन मंत्रियों की बैठक के दौरान उदयपुर में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा। यह सम्मेलन विभिन्न राज्यों से जल संसाधन प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रकाश डाल रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण और पुनर्चक्रण है। राज्य की समस्याओं को राजनीतिक चश्मे से देखे बिना हल किया जाना चाहिए। केंद्र को तटवर्ती राज्यों के बीच गतिरोध को भी हल करना चाहिए, उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा, मैंने तुंगभद्रा नदी से 30 टीएमसी पानी के उपयोग के बारे में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सिंचाई मंत्रियों के साथ चर्चा की है। मैं विजयवाड़ा में फिर से उनके साथ चर्चा का एक और दौर आयोजित करूंगा। तीनों तटवर्ती राज्यों को इस परियोजना के लिए एक सौहार्दपूर्ण कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। सिंचाई देश का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और पानी कृषि, पेयजल और शहरीकरण के लिए आवश्यक है। यह जरूरी है कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय देश में पानी के उपयोग के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और ब्लू प्रिंट तैयार करे। सिंचाई परियोजनाओं को और अधिक अनुदान की भी आवश्यकता है, उन्होंने कहा। प्रयागराज में पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं होने की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इस पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है। मैं अपने राज्य से संबंधित किसी भी प्रश्न का उत्तर दूंगा।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को उदयपुर में आंध्र प्रदेश की जल संसाधन मंत्री निर्मला राम नायडू और तेलंगाना के जल संसाधन मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ तुंगभद्रा जलाशय के समानांतर नवली में बांध के निर्माण के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे उपस्थित थे।

राजस्थान बजट 2025 : वित्त मंत्री दीया कुमारी ने प्रदेशवासियों को दिया बजट में तोहफा, मुफ्त बिजली के साथ किसानों और युवाओं के लिए किए कई बड़े ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। बजट के दौरान वित्त मंत्री ने मुफ्त बिजली, स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित करने, किसानों और युवाओं के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। राज्य वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि 6000 करोड़ की लागत से 21000 किमी नॉन पेचेबल सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। प्रथम चरण में हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ और मरुस्थली क्षेत्र में 15-15 करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण होगा।

उन्होंने कहा कि सुगम यातायात, हमारी प्राथमिकता है। रोडवेज को 500 नई बसें मिलेंगी और शहरी क्षेत्रों में भी 500 नई सिटी बसें मिलेंगी। इसके अलावा उन्होंने 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की है। मुफ्त बिजली के लाभार्थियों के घरों पर सोलर प्लेट लगाई जाएंगी। उन्होंने किसानों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 50 हजार कृषि और 5 लाख घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी होंगे।

राज्य वित्त मंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जायेंगे। 25000 घुमंतू और अर्ध घुमंतू परिवारों को पट्टे दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष के प्रथम चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ रुपये की लागत से नॉन पैचेबल सड़कों के कार्य करवाए जाएंगे। तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों का संविदा कैडर बानते हुए 1050 पद सृजित किए जाएंगे। राज्य वित्त मंत्री ने युवाओं को नौकरी की भी सौगात दी है। उन्होंने 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि 750 चिकित्सक और 1500 पैरामेडिकल स्टाफ के पद सृजित होंगे। 50 करोड़ की लागत से फिट राजस्थान अभियान शुरू होगा। 20 ट्रॉमा सेंटर को अपग्रेडेशन किया जाएगा। आगामी वर्ष में 5700 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन के कार्य किए जाएंगे। राज्य वित्त मंत्री ने कहा कि पंच गौरव योजना के तहत 550 करोड़ रुपये के कार्य करवाने और नवगठित नगरीय निकायों समेत अन्य क्षेत्रों में आगामी वर्ष महिलाओं के लिए 175 करोड़ रुपये की लागत से 500 पिंक टॉयलेट के निर्माण का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाई जाएगी।

बजट में फ्री बिजली योजना पर चली कैंची, आठ हजार करोड़ रुपये सब्सिडी पर हो रहे थे खर्च

भजनलाल सरकार ने बुधवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आय-व्यय अनुमान पेश कर दिए। बजट का साइज 5 लाख 37 हजार करोड़ का बताया गया है। एक साल में बजट घाटा 14 हजार करोड़ रुपए बढ़कर 84 हजार करोड़ रुपए हो गया है। बजट में सरकार ने एक महत्वपूर्ण एलान किया है। जिसमें पूर्व की गहलोत सरकार में लाई गई मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना को बदल दिया है।अब इस योजना के लाभार्थियों को पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने पर 150 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी।

इसका सीधा मतलब यह है कि मुफ्त बिजली योजना पर अब भजनलाल सरकार ताला लगाने जा रही है। इस योजना के तहत सरकार हर साल करीब 8 हजार करोड़ रुपए सब्सिडी के दे रही थी। वहीं यदि इस योजना में आवेदन करते हैं तो कम से कम 6 किलोवाट का सोलर पैनल लगाने का खर्च लगभग 2 लाख 70 हजार रुपए आता है। इसमें से 70 हजार रुपए की सब्सिडी सरकार देगी।

वित्त मंत्री दीया कुमारी ने अपने बजट भाषण में मुफ्त बिजली योजना से पड़ रहे वित्तीय का जिक्र करते हुए कहा था कि नि:शुल्क घरेलू बिजली योजना में लाभार्थी परिवारों को और अधिक लाभ देने के साथ ही प्रदेश पर सतत रूप से आने वाले वित्तीय भार को नियंत्रित करना भी है। इस उद्देश्य की पूर्ती के लिए प्रधानमंत्री द्वारा लाई गई पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को लीवरेज कर मुख्यमंत्री निशुल्क बिजलीयोजना के लाभार्थी परिवारों को चरण बद्ध रूप से नि:शुल्क सोलर प्लांट उपलब्ध करवाते हुए 150 यूनिट बिजली प्रतिमाह निशुल्क उपलब्ध करवाने की घोषणा करती हूं।

सहकारिता मंत्री सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार का वर्ष 2025-26 का बजट 'आपणों अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को साकार करने वाला है। समाज के हर वर्ग के कल्याण की मंशा के साथ लाये गए इस बजट में सहकारिता सेक्टर को सुदृढ़ बनाने का खाका भी पेश किया गया है।

मोदी के विजन और हमारे संकल्प-पत्र के वादों के अनुसार पेश किया बजट : भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और हमारे संकल्प पत्र में किए गए वादों के अनुसार पेश किया गया है। हमने जो जनता से संकल्प-पत्र में वादे किए थे, उनका 50% काम पूरा कर दिया है। हमारा लक्ष्य है कि जो हमने जनता से वादे किए उन्हें निर्धारित समय में पूरा करें। पिछले बजट की 96% घोषणाओ में हमने भूमि आवंटन कर दिया है, 85% में प्रशासनिक स्वीकृति की जारी कर दी गई है। यह पहली बार हुआ है, जब बजट की एक साल में क्रियान्वित की गई हो। विधानसभा में बजट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहला ग्रीन बजट है, जिसमें 350 मिलियन की अर्थव्यवस्था बनने का राजस्थान का लक्ष्य है, उसके अनुसार बजट लाया गया है। बजट में 11.34% ग्रीन बजट के लिए वित्तीय प्रावधान है, पिछली सरकार के समय बजट की की क्रियान्विति धीमी रही, लेकिन हमने जो युवाओं से वादा किया है, उसके अनुसार हम काम कर रहे हैं। 60 हजार लोगों को अब तक हम नौकरी दे चुके है। अगले साल हमने सवा लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। हम घोषणाओं को पूरा करने के लिए कृत संकल्प है और समयबद्धद तरीके से पूरा करेंगे। हर क्षेत्र में सरकार लगातार काम कर रही है।

राजस्थान को 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश किया जिसमें रोजगार, जलापूर्ति परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया और नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण सहित प्रमुख पहलों की घोषणा की गई। दिया कुमारी ने आगामी वर्ष में सरकारी विभागों और राज्य उपक्रमों में 1.25 लाख पदों पर भर्ती की घोषणा की है। उन्होंने बजट भाषण में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के प्रथम वर्ष में ही राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए जनता द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास को सही प्रमाणित किया है।

कुमारी ने कहा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य का सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) 2025-26 में बढ़कर 19,89,000 रुपये से अधिक होने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा, हम प्रदेश में विकास की गति को इसी प्रकार निरंतर रख वर्ष 2030 तक 350 अरब डॉलर अर्थव्यवस्था का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमने अल्प अवधि में ही पूंजीगत व्यय में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करते हुए 9600 किलोमीटर से अधिक नवीन सड़कों का निर्माण और 13 000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का उन्नयन किया है। उन्होंने घोषणा की कि करीब दो लाख और मकनों तक पेयजल 'कनेक्शन' उपलब्ध कराये जाएंगे और इस पहल पर 400 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार 60,000 करोड़ रुपये की लागत से नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण करेगी उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चुनाव घोषणापत्र में किए गए 58 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं तथा पिछले बजट की 73 प्रतिशत घोषणाएं पूरी कर दी हैं।

अपने बजट भाषण में उन्होंने कहा, युवाओं को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से सरकारी विभागों व राजकीय उपक्रमों में आगामी वर्ष में एक लाख 25 हजार पदों पर भर्तियां करने की मैं घोषणा करती हूं। उन्होंने साथ ही राजस्थान रोजगार गारंटी 2025 लाने की भी घोषणा की। दीया कुमारी ने अपने बजट भाषण की शुरुआत वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के आय-व्यय अनुमान प्रस्तुत करने के साथ की।

इससे पहले बजट सत्र की शुरुआत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सरकार 20 फरवरी को शून्यकाल के बाद विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब देगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरोड़ी लाल मीणा द्वारा लगाए गए 'फोन टैपिंग' के आरोपों पर कांग्रेस राज्य सरकार से जवाब मांग रही है।

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 31 जनवरी को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के अभिभाषण के साथ शुरु हुआ था। राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार की ओर से सात फरवरी को जवाब दिया गया। इसके बाद आठ से 18 फरवरी तक सदन में अवकाश रहा।

दौरा

बुधवार को उदयपुर में सिटी पैलेस का दौरा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया। शिवकुमार इसकी चित्रकला और वास्तुकला की भव्यता और सुंदरता को देखकर आश्चर्यचकित हो गए।

नीतिपूर्वक शासन और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक थे शिवाजी : राज्यपाल

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिवाजी ने भारत में नीतिपूर्वक राज्य ही नहीं किया बल्कि प्रजा हित में उन पर लगने वाले करों का सरलीकरण किया और खेती को बढ़ावा देते हुए राष्ट्र समृद्धि के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी राष्ट्र स्वाभिमान के ऐसे अप्रतिम मराठा शासक थे जिन्होंने मुगलों को चुनौती देते हुए उनका वीरता से मुकाबला किया। राज्यपाल बुधवार को बिड़ला सभागार में राष्ट्रीय शिवजन्मोत्सव में बोल रहे थे।

उन्होंने शिवाजी के शौर्य की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने मुगल शासकों के धर्मांतरण को रोकने के साथ ही अन्याय और अनाचार रोकने में महती भूमिका निभाई।

राज्यपाल ने कहा कि धर्मांतरण नहीं करने पर गुरु गोबिंद देव के पुत्रों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को दीवार में चुनवा दिया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति पर निरंतर हमले हुए पर शिवाजी जैसे वीरों के कारण संस्कृति और स्वाभिमान बचा रहा। उन्होंने लार्ड मैकाले द्वारा भारत में अंग्रेजी शिक्षा के जरिए इतिहास की विकृत जानकारियां पढ़ाए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि देश की संस्कृति संरक्षण के साथ बच्चों की बौद्धिक क्षमता के विकास हेतु सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

भारत और मिस्र के विशेष बलों के बीच 14 दिवसीय सैन्य अभ्यास जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत और मिस्र के विशेष बलों का सैन्य अभ्यास साइक्लोन तीसरी बार राजस्थान में बीकानेर स्थित 'महाजन फील्ड फायरिंग रेंज' में आयोजित किया गया जो फिलहाल जारी है। रक्षा प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह 14 दिवसीय सैन्य अभ्यास 10 फरवरी 2025 को शुरू हुआ था और 23 फरवरी को समाप्त होगा। उन्होंने एक बयान में बताया कि यह अभ्यास भारत और मिस्र के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी का प्रमाण है, जो सैन्य सहयोग को मजबूत करता है और दोनों देशों के विशेष बलों के बीच पारस्परिक कार्यकुशलता को बढ़ाता है।

उन्होंने बताया कि 'कंटिजेंटस ट्रेन हार्ड' पर केंद्रित अभ्यास में दोनों देशों की सेनाएं कठिन युद्ध प्रशिक्षण और सामरिक अभ्यास कर रही हैं। शर्मा ने कहा, इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त ऑपरेशन क्षमताओं को बढ़ाना है। इस अभ्यास का प्रमुख लक्ष्य पारस्परिक कार्यकुशलता को बढ़ाना, सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना और विशेष बल के अभियानों में युद्धकला, तकनीक और प्रक्रियाओं की आपसी समझ को बढ़ाना है।

उन्होंने बताया कि इन उच्च तीव्रता वाले अभ्यासों का उद्देश्य सैनिकों की क्षमता को बढ़ाना है ताकि वे रेगिस्तानी और अर्ध-रेगिस्तानी इलाकों की जटिल परिस्थितियों में प्रभावी तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण सत्रों में तेजी, सहनशक्ति और सटीकता पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि दोनों दल वास्तविक युद्ध स्थितियों में एकजुट होकर बिना किसी रुकावट के काम कर सकें।

प्रवक्ता ने बताया कि तीसरी बार आयोजित 'साइक्लोन' के अंतिम चरण का उद्देश्य सैनिकों की क्षमता को अधिक चुनौतीपूर्ण माहौल में रणनीतिक योजनाएं बनाने और उन्हें लागू करने के लिहाज से परखा जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत और मिस्र के बीच निरंतर रक्षा सहयोग आतंकवाद रोधी अभियान तथा क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति साझी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

महाकुंभ भगदड़ और सड़क हादसों में जान गंवाने श्रद्धालुओं के परिजनों साथ खड़ी है सरकार : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि महाकुंभ भगदड़ और प्रयागराज यात्रा के दौरान सड़क हादसों में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों के साथ खड़ी है और उनकी हर संभव मदद करेगी।

योगी ने विपक्षी दलों के सदस्यों के आरोपों पर पलटवार किया और खासतौर से समाजवादी पार्टी (सपा) को निशाना बनाते हुए कहा कि आज के समाजवादियों के बारे में मान्यता है कि जिस थाली में वे खाते हैं, उसी में वे छेद करते हैं।

विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन बुधवार को शून्य काल में विपक्षी दल सपा के सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में नियम -56 के (कार्यस्थगन के तहत सदन की कार्यवाही रोककर) तहत महाकुंभ भगदड़ पर चर्चा कराने की मांग की।

विषय रखते हुए सपा सदस्य डॉक्टर आर के वर्मा ने आरोप लगाया कि महाकुंभ में भगदड़ में बड़े पैमाने पर श्रद्धालुओं की जान गयी लेकिन सरकार ने सिर्फ 30 लोगों की मौत होने का आंकड़ा जारी किया जो बाकी दिवंगत श्रद्धालुओं के परिजनों के साथ न्याय नहीं है। वर्मा के अलावा सपा के संग्राम यादव और कांग्रेस की आराधना मिश्रा मोना ने भी सरकार पर महाकुंभ भगदड़ में बदइंतजामी के गंभीर आरोप लगाए।

अधिकारियों के अनुसार महाकुंभ में पिछले माह 29 जनवरी

को भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और 60 से अधिक घायल हो गये। इसके अलावा महाकुंभ में स्नान के लिए आने और जाने के दौरान सड़क हादसों में भी कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

सदन के नेता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी सदस्यों को जवाब देते हुए कहा कि 29 जनवरी के भगदड़ में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं और प्रयागराज कुम्भ में महास्नान में आने और वापस जाने के दौरान सोनभद्र, अलीगढ़ या अन्य जगहों पर जो श्रद्धालु सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं, उन्हें वह श्रद्धांजलि देते है। उन्होंने कहा,'' हमारी संवेदना शोसंतप्त परिजनों के प्रति है। सरकार उनके साथ खड़ी है और हर संभव मदद करेगी। प्रश्न यह है कि इस पर राजनीति करना कितना उचित है।''

एक शेर के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कटाक्ष किया,''बड़ा हसीन है इनकी जुबान का जादू, लगाकर के आग बहारों की बात करते हैं। जिन्होंने रात में चुन-चुन के बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब हम चर्चा में भाग ले रहे हैं, तब 56.25 करोड़ से अधिक श्रद्धालु त्रिवेणी में डुबकी लगा चुके हैं।'' उन्होंने विपक्षी दलों को घेरते हुए कहा कि जब वे सनातन धर्म, मां गंगा, भारत की आस्था, महाकुंभ के खिलाफ अनर्गल प्रलाप और झूठा वीडियो दिखाते हैं तो यह 56 करोड़ लोगों के साथ ही भारत की सनातन आस्था के साथ खिलवाड़ होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी पार्टी विशेष और सरकार का नहीं, बल्कि समाज का आयोजन है तथा सरकार सहयोग तथा उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए सेवक के रूप में है। उन्होंने कहा,'' सेवक के रूप में उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना हमारी जिम्मेदारी है।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि '' हम तत्परता के साथ ऐसा करेंगे, क्योंकि हमें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास है। हमारे मन में भारत की सनातन परंपराओं के प्रति श्रद्धा का भाव है।'' उन्होंने कहा कि सौभाग्य है कि सदी के महाकुंभ के साथ सरकार को जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

'बिहार में लघु उद्यमी योजना के तहत 60,000 लोगों को मिलेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्र ने बुधवार को कहा कि लघु उद्यमी योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान छह हजार रुपए से कम मासिक आय वाले करीब 60,000 लोगों को अनुदान के तौर पर दो लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा और इसके लिये आवेदन करने को आज से ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत कर दी गई है।

पटना में बुधवार को लघु उद्यमी योजना के ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए मिश्र ने कहा कि इस योजना के तहत 2024-25 के दौरान छह हजार रुपए से कम मासिक आय वाले करीब 60,000 लोगों को दो लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ वे लोग उठा सकते हैं जो राज्य सरकार द्वारा कराए गए जाति आधारित गणना में 6,000 रुपए तक मासिक आय के तौर चिन्हित किए गए हैं।

मिश्र ने कहा कि यह योजना राज्य में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वरोजगार प्रदान करने और बेरोजगारी दर को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा, ''बिहार लघु उद्यमी योजना राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि हर योग्य व्यक्ति इस योजना का लाभ उठाए और अपने पैरों पर खड़ा हो सके।''

बदलती प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल रखने में मदद करेगा एसटीपीआई: जितिन प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं (आईटीईएस) के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लक्ष्य से बना सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपीआई) भारत को, दुनिया की बदलती प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल बैठाने में मदद करेगा। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को यह जानकारी दी।

कोलकाता के साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक्स परिसर में एक एसटीपीआई इन्क्यूबेशन सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रसाद ने कहा कि सरकार स्टार्टअप को सस्ती जगह, तमाम सुविधायें और वित्तीय सहायता तक पहुंच देने का अवसर प्रदान करेगी।

केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री ने कहा, ''नया एसटीपीआई इन्क्यूबेशन केंद्र भारत को दुनिया में प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

नई एसटीपीआई इन्क्यूबेशन सुविधा देशभर में फैले 67 केंद्रों में से एक होगी। नए केंद्र के साथ, पश्चिम बंगाल में कुल पांच सुविधाएं होगी। अन्य चार एसटीपीआई खड़गपुर, सिलीगुड़ी, हल्दिया और दुर्गापुर में स्थित हैं। साल्ट लेक में इसे पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रदान की गई तीन एकड़ जमीन पर दो लाख वर्ग फुट का स्थान बनाया गया है। कुल आईटी और आईटीईएस एसटीपीआई से अब तक का निर्यात 9.43 लाख करोड़ रुपए का हुआ है।

चुनावी नतीजों के लिए जवाबदेह होंगे महासचिव और प्रभारी: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि सभी महासचिव तथा प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन एवं चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे।

खरगे ने कांग्रेस के नए मुख्यालय में पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक में नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से स्पष्ट है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी को लेकर कहा इस चुनौती से निपटना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली विस चुनाव के परिणाम का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रीय राजधानी में प्रयास करना होगा कि पार्टी मुख्य विपक्ष के रूप में उभरे। बैठक में खरगे के अलावा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव

प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य महासचिव तथा प्रभारी शामिल हुए। खरगे ने कहा, कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। 'असल फिसल पड़े और नकल चल पड़े' यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें। उनका कहना था, ''हमें कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के लिए प्रतिबद्ध ऐसे लोगों को आगे बढ़ाना चाहिए जो विपरीत माहौल में भी चट्टान की तरह हमारे साथ खड़े हैं। मैं जरूरी बात जवाबदेही के बारे में भी आप सभी से कहना चाहूंगा। आप सभी अपने प्रभार वाले राज्यों के संगठन और भविष्य के चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे।''

महाकुंभ : संगम के गंगाजल में स्नान करेंगे उत्तर प्रदेश की जेलों में बंद कैदी

लखनऊ/भाषा। एक अनूठी और आध्यात्मिक पहल के तहत, उत्तर प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों को प्रयागराज के संगम के पवित्र जल से स्नान करने का अवसर मिलेगा, जहां महाकुंभ चल रहा है। राज्य का जेल प्रशासन कैदियों के लिए संगम से पवित्र जल लाने की खातिर विशेष व्यवस्था कर रहा है, ताकि वे इस आयोजन में भाग ले सकें।

जेल मंत्री दारा सिंह चौहान के कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विशेष कार्यक्रम 21 फरवरी को सुबह 9:30 से 10:00 बजे तक होगा। इस दौरान, राज्य भर की सभी 75 जेलों में बंद कैदियों को संगम से लाए गए जल में स्नान की अनुमति दी जाएगी। इसमें सात केंद्रीय कारागार और 68 जिला कारागार शामिल हैं।

जेल महानिदेशक (डीजी) पीवी रामशास्त्री ने पुष्टि की कि मंत्री दारा सिंह चौहान की देखरेख में व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी जेलों में संगम का जल लाया जाएगा और कैदी प्रार्थना के बाद, जेल परिसर में विशेष रूप से स्थापित कलश (छोटा टैंक) में पवित्र जल और नियमित जल के मिश्रण से स्नान करेंगे। जेल विभाग के अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में उप्र की जेलों में 90,000 से अधिक कैदी बंद हैं। मंत्री चौहान और वरिष्ठ जेल अधिकारियों के 21 फरवरी को लखनऊ जेल में कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

बिहार: जल संसाधन विभाग के आधिकारिक 'एक्स' एकाउंट हैक

पटना/भाषा। बिहार के जल संसाधन विभाग के आधिकारिक 'एक्स' एकाउंट को हैक कर जर्मनी के राष्ट्रपति का हैंडल बना दिया गया।

जल संसाधन विभाग ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, ''कुछ मीडिया रिपोर्टों में बताया जा रहा है कि जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टाइनमायर का आधिकारिक 'एक्स (पूर्व ट्विटर)' अकाउंट हैक करके उसे जल संसाधन विभागए बिहार सरकार नाम दे दिया गया है। ऐसी खबरें भ्रामक और तथ्यों से परे है। हकीकत यह है कि जल संसाधन विभाग (बिहार सरकार) के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट को ही कुछ दिन पूर्व अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा हैक कर लिया गया था।'' बयान में कहा गया है, ''विभाग द्वारा अगले ही दिन इसकी सूचना 'एक्स' की सहायक टीम के साथ-साथ बिहार पुलिस के साइबर सेल को भी दे दी गई थी। पिछले कुछ दिनों में ही हैकर द्वारा 'एक्स' एकाउंट का नाम और हैंडल कई बार बदला जा चुका है तथा इस हैंडल से ऐसी सामग्री पोस्ट की गई, जिनसे जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार का कोई संबंध नहीं है।'' बयान के मुताबिक जल संसाधन विभाग का यह आधिकारिक 'एक्स' एकाउंट पहले से ही 'एक्स' की ओर से 'ग्रे चेक (सरकारी संस्थान का हैंडल)' सत्यापित है। इसे हैक करने के बाद, साइबर अपराधियों ने इसका नाम और हैंडल कई बार बदला है। बयान में कहा गया है कि एकाउंट हैक होने के अगले ही दिन जल संसाधन विभाग द्वारा 'एक्स' की सहायक टीम से संपर्क किया गया और विभाग के आधिकारिक एकाउंट को पुनः बहाल करने का अनुरोध किया गया।

आजम खान की पत्नी, बेटे और बहन को मिली जमानत

रामपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान की पत्नी पूर्व विधायक तज़ीन फातिमा, बेटे अदीब आजम खान और बहन निकहत अखलाक को शत्रु संपत्ति से सम्बन्धित एक मामले में स्थानीय (सांसद-विधायक) अदालत ने जमानत दे दी है।

खान के अधिवक्ता जुबैर अहमद खान ने बताया कि रामपुर की सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खान की पत्नी डॉक्टर तज़ीन फातिमा, बड़े बेटे अदीब आजम खान और बहन निकहत अफलाक की जमानत मंजूर कर ली है।

यह आजम खान के परिवार के लिये एक बड़ी राहत है। मंगलवार को इसी मामले में आजम के छोटे बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्लाह आजम खान की जमानत भी मंजूर कर ली गयी थी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने नेपाली छात्रों से केआईआईटी लौटने का आग्रह किया, न्याय दिलाने की बात कही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) के नेपाली छात्रों से यहां परिसर में लौटने और पढ़ाई फिर से शुरू करने का आग्रह करते हुए आश्वासन दिया कि जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

पड़ोसी देश की छात्रा प्रकृति लामसाल का शव रविवार को उसके छात्रावास के कमरे की छत से लटका मिलने के बाद विरोध-प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद सोमवार

को केआईआईटी के लगभग 1,000 नेपाली छात्रों को संस्थान के अधिकारियों ने निलंबन नोटिस जारी किया और तुरंत परिसर छोड़ने के लिए कहा। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकार के हस्तक्षेप के बाद, केआईआईटी के अधिकारियों ने माफी मांगी और नेपाली छात्रों से परिसर में लौटने का अनुरोध किया। माझी, जो वर्तमान में राजस्थान में हैं, ने नेपाल के अधिकारियों संजीव दास शर्मा और नवीन राज अधिकारी के साथ फोन पर बात की। इन अधिकारियों ने ओडिशा के संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग और उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के साथ यहां राज्य अतिथि गृह में मौजूदा हालात पर बैठक की। इस दौरान मुख्य सचिव मनोज आहूजा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि मृतक केआईआईटी छात्रा प्रकृति लामसाल के मामले में न्याय होगा।'' इसके अलावा, नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा ने भी इस मुद्दे पर ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज से फोन पर बात की।

हिमपात की वजह से नाथूला दर्रे और न्यू बाबा मंदिर नहीं पहुंच पा रहे पर्यटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी हिमपात के कारण प्रमुख सड़क अवरुद्ध हो गई है, जो पर्यटकों को चीन सीमा पर स्थित नाथू ला दर्रे और एक सैनिक के स्मारक न्यू बाबा मंदिर जैसे लोकप्रिय स्थलों तक ले जाती है। अधिकारी ने यह जानकारी दी।

हिमपात मंगलवार देर रात शुरू हुआ और बुधवार सुबह तेज हो गई, जिससे पूर्वोत्तर राज्य में सड़क यात्रा खतरनाक हो गई। अधिकारी ने कहा, ''अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और अवरुद्ध मार्गों को साफ करने के लिए काम कर रहे हैं।'' अधिकारी ने कहा कि पर्यटक, सोमगो झील देखने के बाद, आमतौर पर नाथू ला दर्रे और न्यू बाबा मंदिर की ओर अपनी यात्रा जारी रखते हैं। जवाहरलाल नेहरू रोड पर बर्फ की परत जमने से यात्रियों और पर्यटकों के लिए नाथूला दर्रे और न्यू बाबा मंदिर का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। हालांकि, लोग सोमगो झील तक यात्रा कर सकते हैं, अधिकारी ने कहा। 12,313 फीट की ऊंचाई पर स्थित, सोमगो झील, जिसे चांगू झील के नाम से भी जाना जाता है, पूर्वी सिक्किम जिले में हिमनद झील है, जो राज्य की राजधानी गंगटोक से लगभग 40 किलोमीटर दूर है।

महाकुंभ में स्नान के लिए आई महिला की हत्या कर साथी फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। महाकुंभ में स्नान के लिए आई एक महिला की उसके साथ आए अज्ञात व्यक्ति ने बुधवार की सुबह कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

झूंसी थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह ने बताया कि यह महिला एक पुरुष के साथ महाकुंभ आई थी और वह कुछ देर आराम करने के लिए आजाद नगर के एक मकान में रुकी थी।

उन्होंने बताया कि मकान में पहले से किराएदार रह रहे हैं और जब वे बुधवार सुबह स्नानगृह में गए तो उन्होंने वहां महिला को मृत पाया।

सिंह ने बताया कि महिला की किसी धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि महिला की उम्र करीब 35 वर्ष है और उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

सिंह ने बताया कि महिला के साथ आया व्यक्ति फरार है।

हमने सिर्फ दो स्पिनर चुने हैं, बाकी तीन ऑलराउंडर हैं : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को चैंपियन्स ट्रॉफी टीम में पांच स्पिनरों को चुनने का बचाव करते हुए कहा कि उनमें से तीन ऑलराउंडर हैं जो उनकी टीम में काफी अहमियत रखते हैं।

वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव दो विशेषज्ञ स्पिनर हैं जबकि स्पिन विभाग में अन्य विकल्प रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर हैं जो सभी बहुत सक्षम बल्लेबाज हैं। टीम में मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के रूप में तीन तेज गेंदबाजी विकल्प हैं जबकि हार्दिक पंड्या एकमात्र तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। टीम में अधिक स्पिनरों की मौजूदगी के बारे

में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, ''केवल दो स्पिनर हैं, बाकी ऑलराउंडर हैं। वे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों कर सकते हैं।''

रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ टूर्नामेंट में भारत के पहले मैच से पूर्व कहा, ''हम अपनी ताकत के हिसाब से खेलते हैं। तीनों ऑलराउंडर टीम को एक अलग आयाम देते हैं, वे टीम में बहुत कुछ जोड़ते हैं। हम एक के बजाय दो कौशल वाले खिलाड़ी चाहते थे।'' आठ साल बाद हो रहे इस टूर्नामेंट के बारे में रोहित ने कहा, ''यह सभी आईसीसी प्रतियोगिताओं की तरह एक बहुत ही महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। ट्रॉफी जीतने के लिए हमें बहुत सी चीजें सही करनी होंगी।''

चैम्पियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट हमेशा से ही पसंद था : कोहली

दुबई/भाषा। भारतीय सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली को चैम्पियंस ट्रॉफी का प्रारूप हमेशा से ही पसंद था चूंकि इसमें आठ प्रतियोगी टीमों को पहले मैच से ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है । चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 के बाद पहली बार हो रही है जब फाइनल में पाक ने भारत को हराया था। टीम बृहस्पतिवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहला मैच खेलेगी ।

कोहली ने स्टार स्पोर्टर्स से कहा ,'' यह टूर्नामेंट लंबे समय बाद हो रहा है । मुझे हमेशा से यह टूर्नामेंट पसंद था । यह निरंतरता का परिचायक है क्योंकि आपको क्वालीफाई करने के लिये शीर्ष आठ में रहना होता है । प्रतिस्पर्धा का स्तर भी बहुत अच्छा है ।'' कोहली

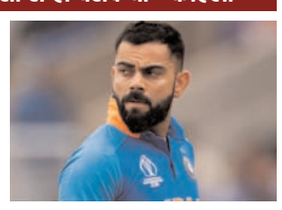

2009, 2013 (जब भारत चैम्पियन बना था) और 2017 में यह टूर्नामेंट खेल चुके हैं । उन्होंने कहा ,''वनडे प्रारूप में इसका दबाव टी20 विश्व कप जैसा होता है । वहां भी आपको लीग चरण में तीन या चार मैच मिलते हैं और शुरूआत अच्छी नहीं करने पर दबाव बन जाता है । पहले ही मैच से दबाव रहता है और यही वजह है कि मुझे यह पसंद है । आपको पहले ही मैच से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है ।''

डिजिटल जगत में मानवाधिकार के रूप में निजता की सुरक्षा आवश्यक : एनएचआरसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी रामसुब्रमण्यन ने इस बात पर जोर दिया है कि डिजिटल जगत में ''मानवाधिकार के रूप में निजता'' की सुरक्षा आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि मानवीय मूल्यों में ''काफी गिरावट'' आई है और इसके परिणाम भुगतने होंगे।

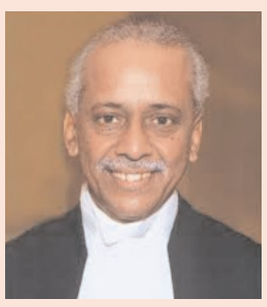

आयोग द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, एनएचआरसी प्रमुख ने इसके परिसर में आयोजित 'डिजिटल युग में गोपनीयता और मानवाधिकार सुनिश्चित करना: कॉरपोरेट डिजिटल जिम्मेदारी पर ध्यान' विषय पर एक खुली चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की। चर्चा में जो महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए, उनमें शामिल हैं -- उपभोक्ता की समझ और व्यक्तिगत डेटा पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए उपयोगकर्ता समझौतों और नीतिगत ढांचे को सरल बनाना, विशेष रूप से अनुसंधान संस्थानों और तीसरे पक्ष के डेटा प्रोसेसर के लिए ''स्पष्ट जवाबदेही'' तय करना तथा अधिक पारदर्शिता के लिए उपयोगकर्ता सहमति ढांचे को मजबूत करना। बयान के अनुसार, अनुपालन न करने पर स्पष्ट दंडात्मक प्रावधान'' करने, डेटा साझाकरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों की आवश्यकता, सख्त डेटा स्थानीयकरण अनिवार्यताओं से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने तथा नाबालिगों से जुड़े सत्यापन के लिए माता-पिता की सहमति प्राप्त करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तैयार करने का भी सुझाव दिया गया है।

बयान में कहा गया है कि प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए एनएचआरसी अध्यक्ष ने ''इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल दुनिया में निजता को मानवाधिकार के रूप में सुरक्षित रखना आवश्यक है।'' इसमें कहा गया है कि प्रौद्योगिकीय प्रगति के साथ-साथ मौलिक मानवाधिकारों और निजता की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। कई प्रतिभागियों ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा उपयोगकर्ता डेटा पर लगाए गए व्यापक नियंत्रण पर चिंता जताई।

सुविचार

गलती उसी से होती है जो मेहनत से काम करता है, निकम्मो की जिंदगी तो दुसरों की बुराई खोजने में खत्म हो जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लालच का जाल, कर रहा कंगाल

कर्नाटक के मैसूरु शहर में ऑनलाइन सट्टेबाजी के कारण पैदा हुई आर्थिक तंगी के बाद एक दंपति द्वारा उठाया गया खौफनाक कदम समाज में बढ़ती उस बुराई के दुष्प्रभावों को दर्शाता है, जिस पर अभी खुलकर बात नहीं हो रही है। जुआ, सट्टा जैसी बुराइयां पहले भी मौजूद थीं, लेकिन तब इन तक लोगों की पहुंच आसान नहीं थी। लोक-लाज का भी भय था। अगर कोई युवक ऐसी जगह पर मौजूद पाया जाता, जहां जुआ-सट्टा खेले जाते हैं तो उसके घर पहुंचने से पहले ही गली-मोहल्ले में यह बात फैल जाती थी कि 'आज तो फलां साहब के बेटे गलत कामों में दिलचस्पी ले रहे थे, यह अशुभ लक्षण है, घर बर्बाद होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।' अब मोबाइल फोन ने इतनी आसानी कर दी है कि जो व्यक्ति इन बुराइयों में पड़ना चाहता है, उसे न तो कहीं जाने की जरूरत है, न रुपयों की गड्डी किसी को थमाने की जरूरत है। लोग घर बैठे ही हजारों-लाखों के दांव लगाते हैं। किसी को कानोंकान खबर नहीं होती। जब तक जीतते रहते हैं, मन बड़ा उत्साहित रहता है। खुद के अत्यंत सौभाग्यशाली होने का भ्रम हो जाता है। जैसे ही दांव उल्टा पड़ने लगता है, दिन का चैन और रातों की नींद, सब गायब हो जाते हैं। जब ज्यादा बड़ा नुकसान होता है तो व्यक्ति अंदर ही अंदर घुटन महसूस करता है। जब उसका सच सामने आ जाता है तो परिवार में भारी क्लेश मचता है। जिन्हें एक बार जुए-सट्टे की लत लग गई, वे इसे आसानी से नहीं छोड़ पाते। कई तो अपनी बचत और जायदाद का बहुत बड़ा हिस्सा हार जाते हैं। वे इन्हें दोबारा हासिल करने के लिए कर्ज लेते हैं और वह भी गंवा देते हैं।

ऐसे लोग एक के बाद एक बुराइयों के दलदल में धंसते जाते हैं। इससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लोग उन्हें कर्ज देने से मना कर देते हैं, क्योंकि उन्हें आशंका रहती है कि दिया गया धन सट्टे की भेंट चढ़ जाएगा। जुआ और सट्टा जैसी बुराइयों के बारे में कुछ लोग सोशल मीडिया चैनलों पर चर्चा करने लगे हैं, जिनमें वे आपबीती बताते हैं कि लालच के कारण इनमें फंस गए थे। कुछ लोग कहते हैं कि वे लाखों रुपए हार चुके हैं, लेकिन इस नुकसान के बारे में घर में किसी को बताने की हिम्मत नहीं हो रही है। एक सरकारी कर्मचारी, जो कुछ वर्षों में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके पास लगभग 40 लाख रुपए की बचत थी। वे इस रकम से घर बनाना और बच्चों की शादी करना चाहते थे। एक दिन किसी ने बताया कि 'इस रकम को दुगुनी कर सकते हैं। इसके लिए एक ऐप डाउनलोड करें, मेरा कोड लगाएं और धड़ाधड़ रुपए कमाएं!' शुरुआत में उन्हें कुछ हजार रुपए का फायदा हुआ। उसके बाद नुकसान होने लगा, जिसकी भरपाई की कोशिश में पूरी रकम गंवा दी। शादियों में टेंट और खानपान संबंधी सेवाओं का व्यवसाय करने वाले एक शख्स को उसके 'घनिष्ठ मित्र' ने बताया कि 'शादियां तो खास सीजन में ही होती हैं, कई महीने खाली गुजरते हैं। जब करने को कोई काम न हो तो अपने मोबाइल फोन पर यह मज़ेदार गेम खेलो। इसमें ज्यादा कुछ नहीं करना, बस थोड़े-से रुपए लगाने हैं। उसके बाद जीती हुई रकम सीधे बैंक खाते में आ जाएगी।' उसने जल्द अमीर बनने के लिए खूब दांव लगाए। अब तक लाखों की रकम डूब चुकी है, काम-धंधा चौपट हो चुका है। परिजन इज्ज़त नहीं करते। पड़ोसी और रिश्तेदार अपने बच्चों से कहते हैं कि उन 'भाई साहब' से दूर रहो, कहीं तुम्हें भी सट्टा लगाना न सिखा दें, खुद तो बर्बाद हो ही गए। जुआ, सट्टा और इस किस्म की तमाम बुराइयों से होने वाले नुकसान से बचने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि लालच न करें और इन गतिविधियों से कोसों दूर रहें। कोई कितना ही घनिष्ठ मित्र, नजदीकी रिश्तेदार, पड़ोसी और प्रिय सेलिब्रिटी हो, अगर वह ऐसी वेबसाइट / ऐप का प्रचार करे तो उसके शब्दों पर बिल्कुल भरोसा न करें। दुर्भाग्यवश ऐसी वेबसाइट / ऐप पर दांव लगाते हैं तो आज और अभी उससे निकल जाएं। अन्यथा भविष्य में ऐसे चक्रव्यूह में फंस सकते हैं, जिससे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं दिखेगा।

ट्वीटर टॉक

कृषि एवं कृषकों के हित को पूरी तरह नजरंदाज किया गया। अपने संकल्प पत्र में चड्ढा पर बाजरे की खरीद और इसके प्रमोशन को लेकर भाजपा ने वादा किया था, जो इस बजट में पूर्ण रूप से नदारद रहा। फसल की खरीद, खराबे एवं प्रोत्साहन के लिए सरकार के पास कोई योजना नहीं है।

-सचिन पायलट

न्यायिक शिक्षा में नवाचार, संविधान अध्ययन को विस्तार! डॉ. भीमराव अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी, जयपुर में अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कांस्टीट्यूशनल स्टडीज़ की स्थापना प्रस्तावित। लोक विश्वास अधिनियम लाया जाएगा।

-दीया कुमारी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत दी जाने वाली राशि 8 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये प्रति वर्ष की गई। गेहूं के एमएसपी बोनस 125 से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति क्विंटल किया जाएगा। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में बीमित पशुपालकों की संख्या दोगुनी होगी।

भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सहअस्तित्व का दर्शन

एक बार संत गिरिजानंद अपने प्रवचन में कम से कम भोग और संतुलित जीवन पर शिक्षा दे रहे थे। एक जिज्ञासु ने कहा, 'महाराज अगर हमारे सामने भोग पदार्थ सजे हुए हैं। भूख में भी कोई कमी नहीं है। तब मन को लगाम कैसे देना चाहिए भला?' संत हंसकर बोले, 'ठीक उस गौरैया की तरह जो चोंच भर दाना चुगती है और अनाज से भरा आंगन अपने बाकी साथियों के लिए छोड़कर चली जाती है।' वह आगे बोले, 'जानते हो एक प्यासे मगर लालची को किसी ने जल पीने के लिए कटोरी दी। उसने सारा दिन नदी का पानी पीने में लगा दिया। रात तक उसका पेट फट गया। अति भोग ने जान ले ली। इस सृष्टि में अतिक्रमण का कोई स्थान नहीं है। हम औरों का हिस्सा भी लूटकर खाना चाहते हैं। जबकि हमारा दर्शन तो सहअस्तित्व पर आधारित है।'

सामयिक

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक मजबूत विपक्ष आवश्यक

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार-बार व्यवधान तथा गहन चर्चाओं पर बयानबाजी के प्रभुत्व के कारण विधायी विचार-विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है। पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चर्चाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दर्शाती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है। महत्त्वपूर्ण नीतियों पर पूर्व-विधान परामर्श और चर्चाएँ अधिक प्रयास से नहीं हो पा रही हैं।

सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक मज़बूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए, अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये। वे बड़ी सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे। विधेयक पर बात-चीत करते हुए उसे समाप्त कर देना या विधेयक पर बात न करना का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बर्बादी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे। मज़बूत विपक्ष के अभाव में वर्तमान सरकार निरंकुश और गैर-जवाबदेह हो जाती है और वह ऐसे कानून बना सकती है जो कुछ लोगों या किसी विशिष्ट जनजाति या समूह को लाभ पहुँचाते हैं। जैसा कि कहा गया है, सत्ता भ्रष्ट करती है और खेद की बात है कि ऐसा होता भी है। अतीत के कथित परोपकारी राजा वास्तव में अधिकार के पदों पर नहीं थे। 1960 के दशक में पहली बार नाइजीरियाई सैन्य अधिग्रहण से पहले, देश में मज़बूत विपक्ष था। हालांकि, फूट डालो और राज करो की रणनीति, तथा देशद्रोह के आरोप में नेता को जेल में डालकर इसे कुचलने में सफल रहे।

परिणामस्वरूप, लोगों ने उन सभी लोगों को मार डाला जिन्हें वे भ्रष्ट मानते थे, क्योंकि उन्हें लगा कि उनकी शिकायतों पर सुनवाई नहीं हो रही है और सरकार गैर-जवाबदेह और भ्रष्ट हो गई है। इसके परिणामस्वरूप तख्तापलट हुआ। मुख्यतः एक विशिष्ट जनजाति से सम्बंधित राजनेताओं की हत्या के बाद गृहयुद्ध छिड़ गया। भले ही नेता को यह विश्वास हो कि वह लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्य कर रहा है, लेकिन यदि मामले में उनकी कोई बात नहीं सुनी जाएगी तो लोग उत्पीड़ित महसूस करेंगे। किसी वर्तमान या भूतपूर्व नेता द्वारा जनता के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करने तथा अपने कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराए जाने की क्षमता अद्भुत है। सभी तानाशाह प्रेस में किसी भी प्रकार की असहमति को दबाने से शुरुआत करते हैं, जो एक अन्य महत्त्वपूर्ण तत्व है। इसके बाद उन्हें गैर-सरकारी संगठनों पर हमला करने का अवसर मिलता है।

राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर ज़ोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीक़ा है। संसदीय चर्चाओं में पुराने ज़माने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच लगातार, संगठित संपर्क से मुद्दा-आधारित संवाद को बढ़ावा मिल सकता है और टकराव से बचने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नीतिगत चर्चाएँ फलदायी बनी रहें, संसदीय समितियों जैसे तंत्रों को मज़बूत किया जाना चाहिए।

तात्कालिक राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित चर्चा के माध्यम से सरकार की कार्यवाही को स्पष्ट करना कुछ ऐसा है जो प्रधानमंत्री और अन्य महत्त्वपूर्ण मंत्रियों को करना चाहिए। प्रश्नकाल और संगठित नीतिगत चर्चा जैसे मंचों को पुनर्जीवित करके जवाबदेही की गारंटी देना संभव है। राजनीतिक विभाजन पैदा करने के बजाय, विदेश नीति, विकास और आर्थिक परिवर्तन को दलीय मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन पर दीर्घकालिक आम सहमति की आवश्यकता है। चर्चाओं के लिए अधिक कठोर नियम और नैतिक मानदंड स्थापित करके संसदीय व्यवधानों को कम किया जाना चाहिए। शिष्टाचार बनाए रखने और न्यायसंगत भागीदारी की गारंटी देने में अध्यक्ष और संसदीय समितियों की भूमिका को बढ़ाना आवश्यक है। रचनात्मक आलोचना विपक्षी दल की भूमिका होनी चाहिए। विपक्ष के कारण मुद्दों और विधेयकों पर अधिक बहस और चर्चा होती है; अन्यथा, उन्हें बिना किसी चर्चा या दूसरों की ज़रूरतों पर विचार किए पारित कर दिया जाएगा, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा और इसे निरंकुशता में बदल सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, विपक्षी पार्टी ही युद्ध के लिए उतरेगी।

प्रभावी शासन के लिए सरकार और विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकार ही मुख्य प्रभारी निकाय है, इसलिए यह उसका कर्तव्य है कि वह किसी समझौते पर पहुँचने के प्रयासों का नेतृत्व करे तथा यह सुनिश्चित करे कि संसद में चर्चा राजनीतिक दरार को बढ़ाने के बजाय भारत की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। किसी लोकतंत्र में विपक्ष की सक्रियता और ताकत अक्सर उसके स्वास्थ्य का सूचक होती है। भारत में विपक्ष को मज़बूत करने के लिए सिर्फ़ राजनीतिक दलों को ही नहीं, बल्कि समग्र लोकतांत्रिक व्यवस्था को मज़बूत करना होगा। महत्त्वपूर्ण नीतियों में पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना, मीडिया तक समान पहुँच प्रदान करना और राज्य निधि का आवंटन शामिल है। लोकतंत्र को गतिशील, उत्तरदायी और जवाबदेह बनाने के लिए एक मज़बूत और सफल विपक्ष का होना आवश्यक है।

नजरिया

प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

दुनियाभर में प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन को लेकर लगातार अनुसन्धान हो रहा है। मगर यह एक प्रामाणिक तथ्य है कि प्रकृति और मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। मानव के मनुष्य के जन्म के साथ ही उसका प्रकृति से निकट का सम्बन्ध जुड़ जाता हैं। प्रकृति अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। हमारी आधारभूत जरूरतें जैसे हवा, पानी, भोजन आदि सभी प्रकृति से ही प्राप्त होते है साथ ही प्रकृति ने हमें कई प्रकार के फूल, पक्षियां, पशु, पेड़ पौधे, नीला आकाश, ज़मीन, नदियां, समुद्र, पहाड़, प्रदान किया है। जिससे मनुष्य एक बेहतर और अच्छा जीवन व्यतीत कर पाता है। यह कहा जा सकता है प्रकृति ही मानव का पोषण करती आई हैं। मनुष्य प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना है। यदि मनुष्य प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करता रहा तो प्रकृति भी एक दिन इंसान के वजूद के साथ छेड़छाड़ शुरू कर देगी। मनुष्य का यह शरीर भी प्रकृति के पाँच तत्वों से मिल कर बना है, वायु, अग्नि, जल, आकाश, मिट्टी और फिर यह प्रकृति हीं इस शरीर को वापस अपने में मिला लेती है। हम पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व को जारी रखना चाहते हैं तो प्रकृति का संतुलन हर हालत में बनाये रखना होगा। यदि प्रकृति के अनुरूप हमने अपने आप को ढाल लिया तो ठीक नहीं तो अस्तित्व समाप्त होने का खतरा उत्पन्न हो जायेगा।

प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हम प्रकृति की चिंता नहीं करते और यही वजह है कि प्रकृति ने भी अब हमारी चिंता छोड़ दी है। हमनें बिना सोचे समझे संसाधनों का दोहन किया है। यही वजह है कि अब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है और बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी आपदाएं आ रही हैं। बरसों से पर्यावरण को हम इंसानों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति से साथ इंसान का लगातार खिलवाड़ एक भयानक विनाश को आमंत्रण दे रहा है, जहां किसी को बचने की जगह नहीं मिलेगी।

जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं। प्रकृति पर मंडराता खतरा जस का तस बना हुआ है। सबसे बड़ा खतरा तो इसे ग्लोबल वार्मिंग से है। धरती के तापमान में लगातार बढ़ते स्तर को ग्लोबल वार्मिंग कहते है। वर्तमान में ये पूरे विश्व के समक्ष बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि धरती के वातावरण के गर्म होने का मुख्य कारण का ग्रीनहाउस गैसों के स्तर में वृद्धि है। इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा।

प्रकृति का संरक्षण हमारे सुनहरे भविष्य का आधार है। मनुष्य जन्म से ही प्रकृति और पर्यावरण के सम्पर्क में आ जाता है। प्राणी जीवन की रक्षा हेतु प्रकृति की रक्षा अति आवश्यक है। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु, वनस्पतियां और पेड़-पौधे विलुप्त हो रहे हैं जो प्रकृति के संतुलन के लिए बहुत ही भयावह है। मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण , वातवरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी।

इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं। ऐसे में यह समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने आसपास के प्रकृतिक संसाधनों की रक्षा करे।

नजरिया

सत्ता लोलुपता बनाम दिग्भ्रमित विकास की धारा

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और अदूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं। राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है। जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है। अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने जैसा ही है। यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं। भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श और विकास के विपरीत चले जाते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं। अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रतिमान को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों में बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवृत्ति को आम जनता के ऊपर लागना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं। लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है। इससे न सिर्फ जनता पर करों का बोझ पड़ता है बल्कि सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले जनहित के कार्यों का भीक अवरोध बन जाता है। चुनाव में मतदान को प्रभावित करने के लिए टीवी में मोबाइल फोन लैपटॉप आदि का प्रॉब्लम भी लोकप्रियता किंतु आर्थिक दूरदर्शी एवं लोकतांत्रिक न्याय के प्रतिकूल है। बीसवीं सदी के लगभग सभी थाना गांव द्वारा इस प्रकार के सैनिक राष्ट्रवाद द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाकर लोकतंत्र को रोकने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान म्यानमार उत्तर कोरिया देशों में व्यापक सुरक्षा हिंसा आतंकवाद पर नियंत्रण की लूट प्रिय तावादी धारणा का प्रयोग सैन्य प्रभाव को बरकरार रखने के लिए रो रहा है।

लोकतंत्र का सदैव उद्देश्य तथा आदर्श जनता का समर्थन प्राप्त करना जनता किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना एवं जनता की हर सुविधा का ध्यान रखना है। पर देश का लोकतंत्र सत्ताचारिता, अवसरवादीता एवं एन-केन सत्तारूढ़ बने रहने की जुगत में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है लोकतंत्र की भविष्य की संभावनाएं एवं उसके स्तंभ कमजोर होते जा रहे हैं ऐसे में देश के समृद्ध एवं प्रबुद्ध वर्ग को पहल करने आगे आना होगा वरना लोकतंत्र के दुरुपयोग के दूरगामी परिणाम विध्वंसकारी भी हो सकते हैं।

लोकतंत्र का सदैव उद्देश्य तथा आदर्श जनता का समर्थन प्राप्त करना जनता किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना एवं जनता की हर सुविधा का ध्यान रखना है। पर देश का लोकतंत्र सत्ताचारिता, अवसरवादीता एवं एन-केन सत्तारूढ़ बने रहने की जुगत में क्षतिग्रस्त होता जा रहा है लोकतंत्र की भविष्य की संभावनाएं एवं उसके स्तंभ कमजोर होते जा रहे हैं ऐसे में देश के समृद्ध एवं प्रबुद्ध वर्ग को पहल करने आगे आना होगा वरना लोकतंत्र के दुरुपयोग के दूरगामी परिणाम विध्वंसकारी भी हो सकते हैं। पता अवसरवादी लोकप्रियता वादी विचारों के असंतुलित तात्कालिक लाभों के स्थान पर बहुआयामी लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संतुलित विकास एवं समायोजन पर ध्यान देना चाहिए। परिणाम स्वरूप जनता, सरकार, राजनीतिक दल, मीडिया, सिविल सोसाइटी तथा अन्य सभी के हित की दृष्टि में बहुत ही व्यापक तथा दूरगामी परिणाम लाने वाले लोकतांत्रिक स्तंभ को एकजुट होकर सामाजिक संतुलन बनाए रखना होगा। एवं हम सभी के समेकित प्रयास से लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों एवं उसकी मूलभूत अवधारणाओं की रक्षा हो सकेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बंदूकधारियों ने बस में सवार सात यात्रियों की हत्या की

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक बस में सवार कम से कम सात यात्रियों की हत्या कर दी।

अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने प्रांतीय राजधानी क्वेटा से पंजाब प्रांत की ओर जा रही यात्री बस को उस समय निशाना बनाया, जब वह बरखान क्षेत्र से गुजर रही थी।

पुलिस के मुताबिक, बंदूकधारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवरोधक लगाकर बस को रोका, उसमें सवार यात्रियों के पहचान पत्र की जांच की और सात लोगों को जबरन पास की पहाड़ी पर ले गए, जिसके कुछ ही देर बाद गोलियों की आवाज सुनाई देने लगी।

बरखान के पुलिस उपायुक्त वकार खुर्शीद आलम ने घटना और मृतक संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया, बस में यात्रा कर रहे जिन सात लोगों की हत्या कर दी गई, वे सभी पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और लाहौर जा रहे थे।

घटना की सूचना मिलने पर सुरक्षाबल इलाके में पहुंचे और हत्यारों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान शुरू किया। फिलहाल किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन जातीय बलूच आतंकवादी समूह नियमित रूप से पड़ोसी पंजाब के लोगों पर हमला करते रहते हैं।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने इस हमले की कड़ी निंदा की और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का संकल्प लिया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इस हमले की निंदा की।

जरदारी ने कहा, बेगुनाह लोगों की हत्या एक कायरतापूर्ण और जघन्य कृत्य है। आतंकवादी शांति और मानवता के दुश्मन हैं। वे बलूचिस्तान में शांति भंग करना चाहते हैं।

वहीं, शरीफ ने कहा, बेगुनाह नागरिकों की कुर्बानी जाया नहीं जाएगी। सरकार और सुरक्षाबल देश से आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

पाकिस्तान सभी अफगान शरणार्थियों को देश से निकालना चाहता है: अफगान दूतावास

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद में अफगान दूतावास ने बुधवार को चेतावनी दी कि पाकिस्तान सभी अफगान शरणार्थियों को देश से निकालना चाहता है और उनका निष्कासन जल्द होने की आशंका है। दूतावास ने पाकिस्तान की योजनाओं के बारे में कड़े शब्दों में बयान जारी करते हुए कहा कि राजधानी इस्लामाबाद और पास के शहर रावलपिंडी में अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया जा रहा है, उनकी तलाशी ली जा रही है और पुलिस उन्हें जुड़वां शहरों को छोड़कर पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाने का आदेश दे रही है। इसमें कहा गया है,''अफगानों को हिरासत में लेने की इस प्रक्रिया के बारे में इस्लामाबाद में अफगानिस्तान के दूतावास को किसी औपचारिक पत्राचार के माध्यम से आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है।

बैठक

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को समारोह में नई दिल्ली में अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) की 77वीं कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लेते हुए।

जवाबी शुल्क पर बोले ट्रंप - कोई भी मुझसे बहस नहीं कर सकता

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्पष्ट कर दिया है कि भारत को वाशिंगटन के जवाबी शुल्कों से छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''शुल्क के मुद्दे पर कोई भी मुझसे बहस नहीं कर सकता।''

ट्रंप ने हाल ही में 'फॉक्स न्यूज' को दिए एक साक्षात्कार के दौरान ये टिप्पणियां कीं। फॉक्स न्यूज ने राष्ट्रपति ट्रंप और अरबपति एलन मस्क के साथ किया गया एक संयुक्त टेलीविजन साक्षात्कार मंगलवार रात को प्रसारित किया। तेरह फरवरी को, व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी की ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक से कुछ घंटे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति ने जवाबी टैरिफ (शुल्क) की घोषणा की थी। इस योजना के तहत, ट्रंप प्रशासन प्रत्येक विदेशी व्यापार भागीदार पर लगभग बराबर का जवाबी शुल्क लगाएगा। साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने अमेरिका और भारत सहित उसके साझेदारों के बीच मौजूदा शुल्क संरचनाओं पर अपना रुख दोहराया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''मैंने कल प्रधानमंत्री मोदी से कहा (जब वे यहां थे) 'हम यही करने जा रहे हैं : बराबर का जवाबी शुल्क। आप जो भी शुल्क वसूलेंगे, मैं भी वैसा ही करूंगा।'' ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने (मोदी) कहा, 'नहीं, नहीं, मुझे यह पसंद नहीं है।' तो मैंने कहा, 'नहीं, नहीं, आप जो भी शुल्क लगाएंगे, मैं भी वैसा ही करूंगा। मैं हर देश के साथ ऐसा ही कर रहा हूं।'' अमेरिका से कुछ आयातों पर भारत बहुत कड़े शुल्क लगाता है, जैसे ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत 100 प्रतिशत शुल्क लगाता है। साक्षात्कार के दौरान मस्क ने कहा, ''यह 100 प्रतिशत है – ऑटो आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क। हां, ये बहुत ज्यादा।

'राणा नायडू' सीजन 2 का हिस्सा बनकर रोमांचित महसूस कर रही है कृति खरबंदा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा राणा नायडू' सीजन 2 का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित महसूस कर रही हैं। कृति खरबंदा नेटफ्लिक्स की हाई-ऑक्टेन क्राइम ड्रामा सीरीज़ राणा नायडू सीज़न 2 में शामिल हो गई हैं।सीरीज के टीज़र में कृति खरबंदा को एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाया गया है, जहाँ वह एक प्रभावशाली उपस्थिति के साथ एक मजबूत चरित्र के रूप में सामने आयीं हैं।राणा दग्गुबाती, दग्गुबाती वेंकटेश, अर्जुन रामपाल और सुरवीन चावला जैसे कलाकारों में शामिल होकर, कृति का ओटीटी स्पेस में प्रवेश उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कृति ने साझा किया, मैं 'राणा नायडू' सीजन 2 का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। यह भूमिका मेरे द्वारा पहले की गई किसी भी भूमिका से अलग है, और इसने मुझे एक गहरे, अधिक जटिल चरित्र का पता लगाने की अनुमति दी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक मेरे इस नए पक्ष पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

इमरान खान को उनकी अयोग्यता रद्द करने के लिए प्रस्ताव दिया जा रहा है: प्रमुख सहयोगी का दावा

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता इमरान खान के एक प्रमुख सहयोगी ने दावा किया है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री को उनकी अयोग्यता रद्द करने के लिए एक प्रस्ताव दिया जा रहा है।

यह बात उन खबरों के बीच कही जा रही है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) सरकार के साथ पिछले दरवाजे से बातचीत करना चाहती है।

'द न्यूज' की खबर के अनुसार, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के प्रमुख साहिबजादा हामिद रजा ने मंगलवार को 'जियो न्यूज' के कार्यक्रम ''कैपिटल टॉक'' के दौरान यह दावा किया।

रजा ने कहा, ''पीटीआई संस्थापक ने सरकार के साथ बातचीत के दौरान किसी भी पार्टी नेता की रिहाई की मांग नहीं की। लेकिन वास्तव में, तीन महीने के भीतर उनकी अयोग्यता को रद्द करने का प्रस्ताव दिया जा रहा है।''

उनकी यह टिप्पणी एक उच्च पदस्थ सूत्र द्वारा 'द न्यूज' को दिए गए उस बयान के बाद आई है जिसमें कहा गया था कि 'पीटीआई' एक बार फिर सत्ता प्रतिष्ठान के साथ गुप्त वार्ता की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने पहले तोशाखाना मामले में निचली अदालत के फैसले के बाद खान को अगस्त 2023 या पांच साल तक किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से अयोग्य घोषित कर दिया था।

निर्वाचन निकाय ने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री चुनाव अधिनियम, 2017 की धारा 167 के तहत भ्रष्ट आचरण के दोषी हैं।

इस बीच 'जियो न्यूज' से बात करते हुए 'पीटीआई' के वरिष्ठ नेता और नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष असद कैसर ने किसी के साथ भी पिछले दरवाजे से बातचीत की संभावना से इनकार किया।

'द न्यूज' की खबर के अनुसार उन्होंने कहा कि बातचीत के लिए किसी पिछले दरवाजे का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है और इस बात पर जोर दिया कि पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी संघीय सरकार के साथ कोई बातचीत नहीं कर रही है।

स्नान

प्रयागराज में बुधवार को भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या नेप्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया।

तेनालीराम में माँ काली का रूप धारण करने से आंतरिक शक्ति जैसे गुणों को अपनाने में मिली मदद : बरखा बिष्ट

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के लोकप्रिय शो 'तेनाली रामा' में काली मां का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री बरखा बिष्ट ने बताया कि काली माँ का रूप धारण करने से उन्हें उनके निडरता, आंतरिक शक्ति और हर बाधा को पार करने की क्षमता जैसे गुणों को अपनाने में मदद मिली है। सोनी सब का शो तेनालीराम में काली मां की भूमिका बरखा बिष्ट निभा रही हैं। काली मां एक दिव्य शक्ति के रूप में तेनाली को ज्ञान और शक्ति प्रदान करती हैं, जिससे वह अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना कर पाते हैं। बरखा बिष्ट के लिए इस देवी को पर्दे पर जीवंत करना सिर्फ अभिनय भर नहीं है, बल्कि यह एक सशक्त और रक्षक भावना को आत्मसात करने का अनुभव भी है। बरखा ने किरदार में पूरी तरह ढलने की यात्रा पर कहा, काली मां का रूप धारण करने से मुझे उनके निडरता, आंतरिक शक्ति और हर बाधा को पार करने की क्षमता जैसे गुणों को अपनाने में मदद मिलती है। तेनाली रामा हर सोमवार से शनिवार रात आठ बजे सोनी सब पर प्रसारित होता है।

'सुजहल - द वोर्टेक्स सीजन 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने अपनी क्रिटिकली अक्लेम्ड तमिल क्राइम-थ्रिलर ओरिजिनल सीरीज़ 'सुजहल - द वोर्टेक्स' सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है। सुजहल -द वोर्टेक्स' का दूसरा सीजन इस बार तमिलनाडु के फिक्शनल गांव कालीपट्टनम में होने वाले एनुअल अष्टकाली उत्सव की पृष्ठभूमि पर सेट है। सुजहल - द वोर्टेक्स सीजन 2 को वॉलवॉचर फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसे पुष्कर और गायत्री ने लिखा और निर्माण किया है, जबकि इसके निर्देशन की कमान ब्रम्मा और सरजुन केएम ने संभाली है। इस बार भी शो में शानदार कलाकारों की दमदार टोली नज़र आएगी। काथिर और ऐश्वर्या राजेश अपनी लीड रोल्स में वापसी कर रहे हैं। इनके साथ लाल, सरवनन, गौरी किशन (मुथु), संयुक्ता विश्वनाथन (नाची), मोनिशा ब्लेसी (मुप्पी), रिनी (गांधारी), श्रीशा (वीरा), अभिराम बोस (सेनबागम), निखिला शंकर (संधानम), कलैवानी भास्कर (उलागु), और अश्विनी नांबियार भी अहम किरदार निभा रहे हैं।इसके अलावा, मंजिमा मोहन और कयाल चंद्रन की स्पेशल अपीयरेंस देखने को मिलने वाली है। 'सुजहल - द वोर्टेक्स' तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में देखा जा सकेगा, साथ ही इसका प्रसारण इंग्लिश सबटाइटल्स के साथ होगा। इंडिया समेत 240+ देशों और टेरिटरीज़ में इसका ग्लोबल प्रीमियर होने वाला है।सुजहल -द वोर्टेक्स का दूसरा सीजन 28 फरवरी से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

क्राइम थ्रिलर 'डब्बा कार्टेल' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

क्राइम थ्रिलर डब्बा कार्टेल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। डब्बा कार्टेल में शालिनी पांडे,शबाना आज़मी और ज्योतिका की अहम भूमिका है। शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शालिनी ने कहा, मैं राजी का किरदार निभा रही हूं। वह एक प्यारी, सरल और घरेलू लड़की की तरह लगती है, जो वह है, लेकिन फिर वह उथल-पुथल से गुजरती है, अपना प्रतिरोध खो देती है, न कि उसके पास कितनी गहराई है और एक चरित्र के रूप में मैंने इस चरित्र को करते समय उसकी गहराई की खोज की और यह मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। और कैसे राजी पूरी तरह से पलट जाती है, आप देखेंगे कि वह कैसे बदल जाती है। यह शालिनी के लिए एक खोज थी और मेरे लिए राजी की भूमिका निभाते हुए, इसलिए हां यह चरित्र निभाना बहुत दिलचस्प था।

शालिनी ने शबाना आजमी और ज्योतिका के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता शबाना आजमी से प्यार करते हैं और मैंने उनके बारे में उनसे सुना है। मैंने उनकी फिल्में देखी हैं और मैं शबाना जी का बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। शूटिंग करते हुए हमें बहुत मजा आया। ज्योतिका और अन्य सभी महिलाओं के साथ काम करना काफी मजेदार रहा है।

ऋचा चड्ढा और अली फजल ने 'टाप्स' प्रस्तुत किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की पावर जोड़ी ऋचा चड्ढा और अली फजल ने यूटयूबर पर एलजीबीटीक्यू+ रिलेशनशिप ड्रामा 'टाप्स' प्रस्तुत किया है। अरविंद कौलागी निर्देशित और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुधांशु सरिया द्वारा निर्मित, कशिश फिल्म फेस्टिवल और लोटस विजुअल प्रोडक्शंस के साथ, लघु फिल्म टाप्स ने पहले प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में धूम मचाई और अब यह और भी व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है। नवोदित उल्लास सम्राट और रोहित मेहरा अभिनीत, यह फिल्म एक अंतरंग दृश्य प्रस्तुत करती है कि कैसे एक जोड़ा एक-दूसरे के पास वापस आता है। अली और ऋचा, जो समावेशिता और महत्वपूर्ण कहानी कहने के मुखर समर्थक हैं, के लिए 'टाप्स' को वैश्विक मंच पर लाना उन आवाज़ों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता है, जिन्हें सुना जाना चाहिए।ऋचा चड्ढा ने कहा, सिनेमा शक्तिशाली है क्योंकि यह दृष्टिकोण बदल सकता है। 'टाप्स' उन कहानियों में से एक है जो पहचान, प्यार और आत्म-स्वीकृति की परतों को धीरे-धीरे लेकिन शक्तिशाली रूप से उधेड़ती है। हमने मीडिया में प्रतिनिधित्व के बारे में बहुत सी बातचीत की है, और एक ऐसी फ़िल्म का समर्थन करने में सक्षम होना जो इसे सही तरीके से करती है, एक विशेषाधिकार है। हम चाहते हैं कि लोग अपने दिलों को थोड़ा और खोलें। अपने साथी, अपने दोस्तों, अपने आप के साथ 'टाप्स' देखें - इसे अपने ऊपर हावी होने दें, इसे अपने साथ रहने दें। अली फजल ने कहा, प्यार को हमेशा बड़े-बड़े स्ट्रोक में चित्रित किया गया है- गुलाब, मोमबत्ती की रोशनी, भव्य इशारे। लेकिन प्यार इससे कहीं बढ़कर है। 'टाप्स' कुछ अंतरंग, कच्चा और वास्तविक दर्शाता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्यार सिर्फ़ इस बारे में नहीं है कि हम किसे प्यार करते हैं, बल्कि हम कैसे प्यार करते हैं- ईमानदारी, साहस और लचीलेपन के साथ। ऋचा और मुझे दृढ़ता से लगा कि इस तरह की फिल्म को ज़्यादा से ज़्यादा लोगों द्वारा देखा जाना चाहिए। तथ्य यह है कि हम इस कहानी को दुनिया के सामने ला सकते हैं- यह बिल्कुल सही लगता है।

तैयारी

नई दिल्ली में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा बुधवार को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में नई दिल्ली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों की देखरेख करते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 20-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के शांतिनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ आदिनाथ जैन मंदिर के तत्वावधान में आदिनाथ जिनालय, दादावाड़ी व भोमियाजी मंदिर की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय महोत्सव के तीसरे व आखिरी दिन मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभसागरजी के सान्निध्य में ध्वजा के लाभार्थी राजेन्द्रकुमार तिलोककुमार बोथरा परिवार मलबरी सिल्क के निवास से ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई।

दलाल बने राष्ट्रीय वरिष्ठ मार्गदर्शक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेन्स नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन व राष्ट्रीय महामंत्री अमितराय जैन द्वारा बेंगलूरु निवासी जसवंत दलाल को जैन कान्फ्रेन्स का वरिष्ठ मार्गदर्शक बनाया गया है। श्रमण संघ के महामंत्री सौभाग्यमुनिश्री कुमुद के गुरुभक्त जसवंत कई वर्षों से जैन कान्फ्रेंस में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके है।

'जीवन जीने की कला सीखनी चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर जैन स्थानक में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि 'जीवन' मिला है, जीने के लिए मिला है। हमें जीना सीखना चाहिए? पशु पक्षियों को जन्म से ही जीना आता है और कुछ परिस्थितियां सीखा देती है। 'इन्सान' अपने जीवन को दुर्योधन, कंस रावण की तरह भी बना सकता है और संस्कारों और पारिवारिक तथा गुरुओं के संस्कारों-प्रेरणाओं शिक्षाओं से युधिष्ठर-श्री कृष्णा तथा राम की तरह आदर्श जीवन भी बना लेता है। पुरुषार्थ स्वयं इन्सान को ही करना होता है, निमित्त तो मिल ही जाता है। सत्संग की रंगत जब मन पर चढ़ती है तब भाषा-काया तथा व्यवहार सभी ही श्रेष्ठ बन जाते है। भगवान महावीर कर्मों के फल के साथ साथ वर्तमान जीवन में पुरुषार्थ करना भी आवश्यक कहा है। भाग्य और पुरुषार्थ दोनों सहचारी होते हैं। जब सदभाग्य का उदय होता है पुरुषार्थ भी उत्तम कोटि होता है। पूर्व में किए सदकर्मो से ही तो वर्तमान का सदभाग्य उदय में आया है। भगवान ने रोग आने के कारण बताते हुए कहा कि अधिक खाना, अहितकारी भोजन करना, अधिक बैठना, अधिक चलना, अधिक सोना अधिक जागना,मल-मूत्र निरोध करना, इन्द्रिय विकार ये सब कारण ह। अनिद्रारोग मानसिक तनाव, असहनशीलता अति मात्रा में बढ़ी है। संघ के महामंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने सभी का स्वागत किया। संघ अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर ने धन्यवाद दिया।

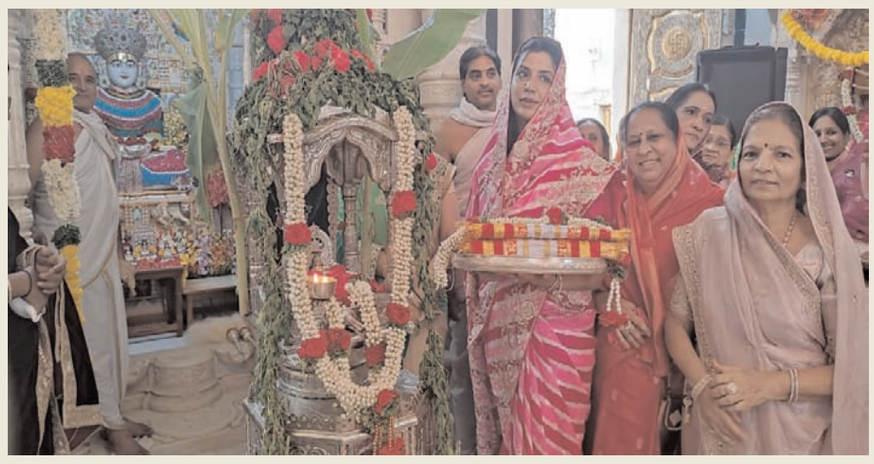

पूरे विधिविधान से शांतिनगर आदिनाथ मंदिर के शिखर पर हुआ ध्वजारोहण

ध्वजा के वरघोड़े में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ आदिनाथ जैन मंदिर के तत्वावधान में आदिनाथ जिनालय, दादावाड़ी व भोमियाजी मंदिर की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय महोत्सव के तीसरे व आखिरी दिन मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभसागरजी के सान्निध्य में ध्वजा के लाभार्थी राजेन्द्रकुमार त्रिलोककुमार बोथरा परिवार मलबरी सिल्क के निवास से ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शांतिनगर की विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिर पहुंची जहां संतों के सान्निध्य में ध्वजा की पूजा व 17भेदी पूजा की गई। तुषारगुरुजी ने विधि विधान करवाएं तथा कमलेश एंड पार्टी ने संगीत की प्रस्तुति दी। ध्वजा के वरघोड़े में ध्वजा लाभार्थी परिवार सहित शांतिनगर जैन संघ के लालचन्द गोठी, सुरेश पोरवाड़, रमेश गोठी, मगराज संचेती, हरीश शाह, मंत्री छगनमल लुणावत, सम्पत मेहता, बसवनगुड़ी संघ के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महेन्द्र रांका, अरविंद कोठारी, कैलाश संकलेचा, रणजीत जैन, ललित डाकलिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। त्रिलोकचन्द बोथरा ने सभी का स्वागत किया। ध्वजा पूजा के दौरान मुनिश्री मलयसागरजी ने कहा कि ध्वजा मंदिर की आन-बान और शान होती है। ध्वजा के लहराने से सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि जितना लाभ प्रभु प्रतिमा के दर्शन करने से होता है उतना ही लाभ मंदिर के शिखर पर लहराती ध्वजा के दर्शन से होता है। मुनिश्री ने कहा कि जैन में ध्वजा का अपना महत्त्व है। जो व्यक्ति ध्वजारोहण करता है उसके जीवन में सभी प्रकार के दुखों का नाश हो जाता है और उसकी कीर्ति, यश ध्वजा समान इस जग में फैलती रहती है। हमें अपनी लक्ष्मी का सदुपयोग करना चाहिए। जो व्यक्ति लक्ष्मी का उपयोग धर्म के कार्यों में करता है उसके यहां लक्ष्मी हमेशा प्रसन्न रहती है। संतों की उपस्थिति में पूरे मंत्रोच्चार व विधिविधान के बोथरा परिवार के परिजनों ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद बड़ी शांति पूजा का पाठ हुआ।

प्रशिक्षिकाओं को निकालने में बल प्रयोग की बात सरासर गलत, श्रम विभाग के साथ कर रहे सहयोग : इन्फोसिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस ने बुधवार को कहा कि प्रदर्शन संबंधी मुद्दों पर मैसूरु परिसर में प्रशिक्षुओं को नौकरी से निकालने को लेकर बल का प्रयोग या डराने-धमकाने की बात सरासर गलत है। कंपनी ने श्रम विभाग के अधिकारियों को परिस्थितियों के बारे में जानकारी दी है और उनके साथ पूरा सहयोग कर रही है। इन्फोसिस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी शाजी मैथ्यू ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में हालांकि स्वीकार किया कि इस बार मूल्यांकन परीक्षा में विफलता प्रतिशत पहले की तुलना में 'थोड़ा अधिक' रहा है। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि परीक्षा का स्तर प्रशिक्षुओं को विफल करने के मकसद से तैयार किया गया था।

यह पूछे जाने पर कि क्या छंटनी से इन्फोसिस के ब्रांड को गंभीर नुकसान होगा, क्योंकि कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में नियुक्ति के लिए विभिन्न कॉलेज परिसरों में जा रही है, उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए 20,000 स्नातकों को नियुक्त करने की योजना पटरी पर है। छात्रों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उन्हें सबसे अच्छी कंपनियों में से एक में प्रशिक्षण का मौका मिलेगा।

इन आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कि परीक्षण मापदंडों, मूल्यांकन मानदंडों और पाठ्यक्रम को बदल दिया गया था और हाल ही में मैसूरु परिसर में 300 से अधिक लोगों को निकालने के लिए डराने-धमकाने की रणनीति का सहारा लिया गया था, मैथ्यू ने कहा कि कंपनी प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षुओं को चुनने और रखने के लिए पैसा खर्च करती है और प्रयास करती है। उन्होंने कहा, यह इन्फोसिस के हित में है कि ये सभी लोग सफल हों और तभी हम उन्हें अपनी परियोजनाओं में शामिल करने में सक्षम हो पाएंगे।

मैथ्यू ने कहा, ''प्रशिक्षण में निवेश होता है और हम उन्हें प्रशिक्षण के दौरान वेतन भी देते हैं... इनमें से किसी भी व्यक्ति को जाने देना कंपनी के हित में नहीं है... निश्चित रूप से यह उनके लिए नुकसानदायक है, यह हमारे लिए भी नुकसानदायक है। प्रशिक्षुओं के विशेष बैच ने तीन प्रयासों के बाद भी आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा पास नहीं की थी।''

श्रम मंत्रालय द्वारा कर्नाटक राज्य श्रम विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश के बारे में मैथ्यू ने कहा कि श्रम विभाग कंपनी के संपर्क में है और इन्फोसिस अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा, श्रम विभाग हमारे संपर्क में है। वे हमारी प्रशिक्षण प्रक्रिया और मूल्यांकन आदि को समझना चाहते थे। हमने उन्हें पूरी प्रशिक्षण प्रक्रिया, मूल्यांकन से अवगत कराने के साथ यह भी बताया कि यह कैसे न केवल इन्फोसिस के लिए बल्कि पूरे आईटी उद्योग के लिए भविष्य की प्रतिभा को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पूछे जाने पर कि क्या इन्फोसिस प्रशिक्षुओं को वापस लेने पर विचार करेगी, उन्होंने कहा, उन्हें वापस लेने के संबंध में कोई और सवाल नहीं पूछा गया है।

इस महीने की शुरुआत में इन्फोसिस ने 300 से अधिक प्रशिक्षुओं को नौकरी से निकाल दिया। ये वे छात्र थे, जिन्होंने कंपनी के मैसूरु परिसर में बुनियादी प्रशिक्षण लिया था, लेकिन आंतरिक मूल्यांकन में सफल नहीं हो सके। इसको लेकर देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। दो साल के इंतजार के बाद प्रशिक्षुओं को कुछ महीने पहले अक्टूबर, 2024 में कंपनी में शामिल किया गया था। आईटी कर्मचारी संघ एनआईटीईएस ने श्रम और रोजगार मंत्रालय से मामले में हस्तक्षेप कर कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है। वास्तव में, नैसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने आरोप लगाया है कि कर्मचारियों को इन्फोसिस के मैसूरु परिसर में बैठक कक्षों में बुलाया गया था और कंपनी से अलग होने को लेकर पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया था।

धर्मगुरुओं के अनुरूप गति होती है धर्म और समाज की : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

संतों ने किया पद विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा/भद्रावती। शहर से पंद्रह दिन के प्रवास के बाद नई पदयात्रा पर निकलते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म और समाज की उन्नति में साधु-संतों का यानी धर्मगुरुओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। वे धर्म और समाज के प्राणतत्व हैं। यदि धर्मगुरु कमज़ोर होते हैं तो धर्म और समाज भी कमज़ोर हो जाता है। लेकिन धर्मगुरु अगर पवित्र, दूरदर्शी, निष्पक्ष, सर्वहितचिंतक और बुद्धिकौशल्य के निधान होते हैं तो वह समाज भी प्रगतिशील, प्रज्ञावान और पवित्र होता है। इसलिए नेतृत्वकर्ता यानी नायक का सक्षम और सही होना अत्यंत आवश्यक है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि शिक्षक से भी अधिक महत्वपूर्ण है धर्मगुरु का पद। उनके कंधों पर सद्विचार और सदाचार को दुनिया में जिंदा रखने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। भगवान के बाद इस दुनिया में धर्मगुरु का स्थान होता है। भगवान की गैरमौजूदगी में लोग धर्मगुरु पर सबसे अधिक विश्वास करते हैं, इसलिए धर्मगुरु बलिदानी शक्ति की तरह होने चाहिए।। जैसे सूर्य रोशनी और ऊर्जा देता है, बादल और नदियां पानी देते हैं, पेड़-पौधे अनाज और फल देते हैं, उसी तरह धर्मगुरु अच्छाइयों को जीवित रखते हैं। जिस दिन धर्मगुरु यानी साधु-संत समाप्त होंगे, संसार में प्रलय होगा। अच्छे-सच्चे संतों के बलबूते पर संसार टिका है, इसीलिए हर धर्म परंपरा में अच्छे-सच्चे धर्मगुरुओं की महिमा गाई गई हैं। वे संसार में भगवान, ईश्वर, अल्लाह के प्रतिनिधि हैं। जैनाचार्य भद्रावती से होसदुर्गा के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं।

राजाजीनगर में सप्तदिवसीय योग शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित फिट युवा हिट युवा के अन्तर्गत फोकस की यात्रा पहल के तहत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया के नेतृत्व में सात दिवसीय योग शिविर का का आयोजन हुआ।

32 प्रतिभागियों को प्रेक्षा प्रशिक्षक रेणु कोठारी, योग प्रशिक्षक उत्तमचंद गन्ना द्वारा प्रेक्षाध्यान, कायोत्सर्ग, महाप्राण ध्वनि का प्रयोग, सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, पर्वत आसन आदि विभिन्न प्रकार के आसनों का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रदर्शन

पटना में बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा 2024 को रद्द करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी नारे लगाते हुए।

हनुमंतनगर ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों और प्रशिक्षकाओं का हुआ स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर तेरापंथी ज्ञानशाला की शिशु संस्कार बोध की परीक्षा के बाद ज्ञानार्थियों और प्रशिक्षकाओं का स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन एक रिसोर्ट में किया गया। ज्ञानशाला संयोजिका मंजु दक नेतृत्व में 87 ज्ञानार्थी एवं 15 प्रशिक्षकाएं शामिल हुए।

रिसोर्ट में बच्चों को अनेक मनोरंजक खेलों के साथ साथ अनेक धार्मिक प्रवृत्ति के खेल खिलवाए गए। प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कार दिया गया। हनुमंतनगर श्रावक समाज से सभा अध्यक्ष गौतम दक, मंत्री हेमराज मांडोत सहित अनेक सदस्यों का सहयोग रहा। सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया गया। प्रशिक्षिकाओं ने सभी व्यवस्था संभाली।

फिलीपीन के गांव ने डेंगू से निपटने के लिए मच्छर जिंदा या मुर्दा लाने पर इनाम की घोषणा की

मनीला। फिलीपीन के राजधानी क्षेत्र के गांव ने डेंगू से निपटने के लिए अनोखा तरीका अख्तियार किया है जिसके तहत मच्छर को जिंदा या मुर्दा लाने पर इनाम दिया जाएगा। यह तरीका मांडलुयोंग शहर के एडिशन हिल्स गांव ने अपनाया है। दरअसल पास के शहर क्यूजोन में सप्ताहांत में मच्छर जनित बीमारी के प्रकोप की घोषणा के बाद चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष एक फरवरी तक फिलीपीन में डेंगू के कम से कम 28,234 मामले दर्ज किए गए हैं जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 40 फीसदी अधिक हैं।

भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला में नए पुल के निर्माण के लिए 35 करोड़ की मंजूरी मिली

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने वायनाड जिले में चूरलमाला पुल के पुनर्निर्माण परियोजना के लिए 35 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह पुल पिछले वर्ष विनाशकारी भूस्खलन में नष्ट हो गया था। राज्य के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने बुधवार को यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि चूरलमाला शहर से मुंडक्कई रोड तक पुल का पुनर्निर्माण किया जाएगा और इसके निर्माण कार्य में सुरक्षा पर खास ध्यान दिया जाएगा। क्षेत्र में मेप्पाडी को मुंडक्कई और अट्टामाला से जोड़ने वाले पुल का पुनर्निर्माण किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुल को इस तरह बनाया जाएगा कि वह किसी भी आपदा में सुरक्षित रह सके।

श्रद्धांजलि

नागपुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती समारोह में पारंपरिक वेशभूषा में सजी लड़कियां उन्हें श्रद्धांजलि देती हुई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com